डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 276 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 22 जुलाई 2025 | मूल्य 2 रुपया

मामला जिले में रूफ टॉप सोलर लगवाने का...

सौर ऊर्जा का उपयोग करने में मंदसौर गतिमान

संभाग में चौथे नंबर पर पहुंचा, 1100 स्थानों पर लगे सोलर पैनल, करोड़ों की सब्सिडी भी उपभोक्ताओं को मिली

मंदसौर, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सूरज का फायदा उठाने में मंदसौर की स्थिति संभाग में ठीक ठाक है। यहां हम बात रहे हैं रूफ टॉप सोलर की। जिससे घरों की छत पर बिजली तैयार की जाती है। छतों पर बिजली बनाने में संभाग में मंदसौर चौथे नंबर पर है। इस योजना में करोड़ों रुपए की सब्सिडी का लाभ भी संभाग के हजारों लोग ले चुके हैं।

जिले में रूफ टॉप सोलर लगवाने वाले उपभोक्ताओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। अब तक 1100 स्थानों पर सोलर पैनल लग चुके हैं। इससे हमारा जिला संभाग में तीसरे नंबर पर पहुंच गया है। पहले नंबर पर उज्जैन और दूसरे नंबर पर देवास है। जबकि, रतलाम तीसरे नंबर पर है। इसके बाद हमारे यहीं सबसे ज्यादा छतों पर बिजली पैदा हो रही है। एक साल में इन्हें लगाने वाले उपभोक्ताओं की संख्या दोगुना से ज्यादा होगी। सोलर पैनल लगाने वालों की संख्या लगातार बढ़ने की वजह अपने उपयोग की बिजली स्वयं पैदा करना और बिजली की निर्भरता कम करना तो कारण है ही साथ ही सोलर पैनल लगाने पर सब्सिडी मिलना है। तीन किलो वॉट का लगाने पर 78 हजार रुपए की सब्सिडी मिलती है। इससे उपभोक्ता इसकी तरफ आकर्षित हो रहे हैं। बिल की राशि 90 फीसदी तक कम हो जाती है।

एक साल में तेजी से बढ़े...

अधिकारियों के अनुसार रूफ टॉप सोलर नेट मीटर योजना का कंपनी क्षेत्र में प्रभावी क्रियान्वयन हो रहा है। जिले में करीब 1100 स्थानों पर पैनल लगे हैं। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना लागू होने के बाद एक साल में तेजी से उपभोक्ता बढ़े। इसको लेकर प्रचार प्रसार भी किया जा रहा है। जिससे लोग इस और आकर्षित भी हो रहे हैं।

सोलर पैनल लगाने वालों को मिली करोड़ों की सब्सिडी...

पीएम सूर्यधर मुफ्त बिजली योजना में घरों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने पर पहले एक किलो वॉट पर 30 हजार, दूसरे पर तीस हजार एवं तीसरे किलो वाट पर 18 हजार की सब्सिडी दी जाती है। इस तरह तीन किलो वॉट के संयंत्र लगाने पर अधिकतम 78 हजार की सब्सिडी दी जाती है। घरों पर तीन किलो वॉट से ज्यादा के संयंत्र भी लगाए जा सकते हैं। लेकिन, अधिकतम सब्सिडी 78 हजार ही देय है। अब तक संभाग में 12 हजार से ज्यादा उपभोक्ताओं के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से 90 करोड़ की सब्सिडी जमा हो चुकी है। संभाग में 30 करोड़ और जिले में 5 करोड़ रुपए की सब्सिडी उपभोक्ताओं को मिल चुकी है।

छत पर रूफ टॉप सोलर लगाने के फायदे...

बिजली बिल में बचत: सोलर पैनल से उत्पन्न बिजली का उपयोग करके बिजली बिल को काफी कम कर सकते हैं।

पर्यावरण संरक्षण: सोलर ऊर्जा एक स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत है, जो प्रदूषण को कम करने में मदद करता है।

संपत्ति के मूल्य में वृद्धि: सौर ऊर्जा से लैस घर, संभावित खरीदारों के लिए अधिक आकर्षक होते हैं, जिससे उनकी संपत्ति का मूल्य बढ़ सकता है।

सरकारी सब्सिडी: कई सरकारें रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित करने के लिए सब्सिडी प्रदान करती हैं, जिससे लागत कम हो जाती है।

ऊर्जा स्वतंत्रता: आप अपने घर के लिए बिजली उत्पन्न करके ग्रिड पर अपनी निर्भरता कम कर सकते हैं।

कम रखरखाव: सोलर पैनलों को कम रखरखाव की आवश्यकता होती है, जिससे समय और पैसे की बचत होती है।

दीर्घकालिक लाभ: सोलर पैनल 25 वर्षों या उससे अधिक समय तक चल सकते हैं, जिससे आपको लंबे समय तक लाभ मिलता है।

संभाग में किस जिले में कितने सोलर पैनल लगे...

उज्जैन	3500
देवास	2300
रतलाम	1900
मंदसौर	1100
नीमच	1080
शाजापुर	400
आगर मालवा	136

बिना निवेश लाभ लेने की तैयारी

सरकारी भवनों पर लगेंगे 'सोलर रूफटॉप'

मंदसौर, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सभी सरकारी भवनों की छत पर सोलर रूफटॉप संयंत्र लगाए जाने की तैयारी है। ये भवन बिजली तैयार करने के साथ जरूरत की बिजली उपयोग करेंगे और शेष बिजली से इनकी बचत भी होगी। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में रेस्को पद्धति से यहां सोलर सिस्टम लगाए जाएंगे। प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिला स्तर पर टेंडर भी जारी कर दिए गए हैं। साल के अंत तक तक सभी शासकीय भवनों में सोलर रूफटॉप लगाए जाने की योजना है।

बिना निवेश किए ही सरकारी विभागों को मिलेगा लाभ...

नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने बताया कि शासकीय विभागों को इन सौर परियोजनाओं में कोई निवेश नहीं करना होगा। शासकीय कार्यालयों द्वारा ऊर्जा के उपयोग के लिए रेस्को विकासक को प्रति यूनिट भुगतान करना होगा। रेस्को द्वारा लगाए गए संयंत्र की प्रति यूनिट दर विद्युत वितरण कंपनियों द्वारा निर्धारित व्यवसायिक दर (जिसमें शासकीय कार्यालय भी शामिल हैं) से काफी कम होगी। इस प्रकार कार्यालय शून्य निवेश, पहले दिन से बचत, नेट जीरो सिद्धांत पर कार्य कर सकेंगे।

अलग-अलग निविदा जारी...

रेस्को परियोजना के तहत मप्र ऊर्जा विकास निगम द्वारा हर जिले के लिए अलग-अलग निविदा जारी की गई है। न्यूनतम दर के आधार पर रेस्को परियोजनाएं स्थापित होंगी।

मौसमः धूप में तेजी, गर्मी-उमस का असर बढ़ा

मंदसौर, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। बीते दो-तीन दिन से बारिश नहीं हो रही है। इसलिये किसानो ने भी निंदाई का कार्य शुरु कर दिया है। लगातार बादलों और बारिश के दौर के बाद सोमवार को भी धूप में तेजी रही। इससे गर्मी और उमस का असर थोड़ा बढ़ गया। जिले में बारिश का दौर इन दिनो केवल बूंदाबांदी तक ही सीमित है।

रविवार को भी दिनभर बादल छाए रहे। रुक रुककर बारिश का दौर भी चलता रहा। इधर मंदसौर जिले में औसत 13 इंच बारिश दर्ज की गई है। जबकि, भानपुरा में यह आंकड़ा 36 इंच को पार कर गया है। मंदसौर में अब तक 17 इंच बारिश दर्ज हुई है। प्रदेश में भी तेज बारिश का दौर थम गया है। पिछले दो दिनो से कुछ जिलों में ही हल्की बारिश हुई है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि 21 और 22 जुलाई को कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। इससे दिन का तापमान बढ़ जाएगा। 23 जुलाई से फिर से भारी बारिश का दौर शुरू हो जाएगा। डॉ. दिव्या के मुताबिक मानसूनी टर्फ और वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) प्रदेश से काफी दूर है। लेकिन, जुलाई के आखिरी सप्ताह फिर से प्रदेश तरबतर हो जाएगा। पूर्वी और दक्षिणी हिस्से में तेज बारिश होने का अनुमान है। बता दें कि प्रदेश में अब तक औसत 20.5 इंच बारिश हो चुकी है। तीन जिले- निवाडी, टीकमगढ और श्योपुर में तो कोटा पूरा हो चुका है। इन जिलों में सामान्य से 15 इंच तक ज्यादा पानी गिर चुका है। ग्वालियर समेत 5 जिलों भी बेहतर स्थिति है। यहां 80 से 95 इंच तक बारिश हो चुकी है। दूसरी ओर, इंदौर और उज्जैन संभाग सबसे पीछे हैं। इंदौर, उज्जैन, शाजापुर, बुरहानपुर और आगर मालवा में 10 इंच से भी कम पानी गिरा है।

एमपी बोर्ड रिजल्ट 28 या 29 को

मंदसौर, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की ओर से 10वीं व 12वीं की द्वितीय परीक्षा का दो चरणों में मूल्यांकन कार्य पूरा हो गया है। पहला चरण 02 से 11 जुलाई तक और दूसरा 12 से 20 जुलाई तक चला। इसलिये 28 या 29 जुलाई को परिणाम जारी कर दिया जाएगा। इस परीक्षा में साढे तीन लाख अभ्यर्थियों की नौ लाख उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया गया।

उधर माशिमं भोपाल के एक केंद्र पर 12वीं के विद्यार्थियों द्वारा 10वीं का प्रश्नपत्र हल करने के मामले में मूल्यांकन किस तरह होगा। इस संबंध में मंडल की परीक्षा समिति 24 जुलाई को निर्णय लेगी। गलत प्रश्नपत्र हल करने वाले उत्तरपुस्तिकाओं को समिति में भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में समिति निर्णय लेगी।

तीसरी बार परीक्षा के तनाव से नहीं गुजरना होगा...

मंडल के सचिव केडी त्रिपाठी का कहना है कि विद्यार्थियों का नुकसान नहीं होगा, उन्हें फिर से तीसरी बार परीक्षा के तनाव से नहीं गुजरना होगा। इस प्रकरण में दोषी केंद्राध्यक्ष व पर्यवेक्षक पर कार्रवाई की जाएगी। वहीं अब तक स्कूल शिक्षा विभाग ने केंद्राध्यक्ष व पर्यवेक्षक पर कोई कार्रवाई नहीं की है। स्कूल शिक्षा विभाग ने केंद्राध्यक्ष व पर्यवेक्षक को निलंबित नहीं किया है।

सावन के दूसरे सोमवार पर टीलाखेड़ा बालाजी मंदिर से निकली भव्य कावड़ यात्रा

पिपलियामंडी, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। श्रावण मास के पावन अवसर पर श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक सौहार्द का अनुपम संगम सोमवार को पिपलियामंडी क्षेत्र में देखने को मिला, सावन के दूसरे सोमवार पर परंपरानुसार टीलाखेड़ा बालाजी मंदिर से मंदसौर स्थित विश्वप्रसिद्ध भगवान पशुपतिनाथ मंदिर तक भव्य पैदल कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया। जयकारों, भजन-कीर्तन और अखाड़ों के हैरतअंगेज करतबों के साथ कावड़ यात्रियों ने नगर सहित ग्रामीण अंचल में आस्था का वातावरण निर्मित कर दिया। सुबह बालाजी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना के बाद बैंड-बाजों व भजन मंडलियों के साथ यात्रा का विधिवत शुभारंभ हुआ। कावड़ यात्रा संघ के संयोजक रामलाल राठौर ने बताया कि यात्रा में नगर सहित आसपास के गांवों के श्रद्धालु भारी संख्या में शामिल हुए। करीब 100 श्रद्धालुओं ने कावड़ उठाई, जबकि करीब 5 हजार भक्तों ने पैदल चलकर यात्रा में भाग लिया। विशेष बात यह रही कि लगातार चौथे वर्ष नगर के सहकारी दालमिल मार्ग स्थित नर्मदेश्वर महादेव मंदिर से भी कावड़ यात्रा का सहभाग हुआ। मंदिर के राहुल शर्मा ने बताया कि इस बार विशेष रूप से 101 लीटर जल से भरी भव्य कावड़ तैयार की गई, जिसे करीब 300 श्रद्धालुओं ने बारी-बारी से उठाया और मंदसौर स्थित भगवान पशुपतिनाथ के मंदिर तक ले जाया गया। यात्रा के दौरान नगर में जगह-जगह श्रद्धालुओं का पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया गया। मुख्य मार्गों पर स्वल्पाहार, शीतल जल व्यवस्था रही। मंदसौर पहुंचने पर सभी कावडियों का प्रसादी भोज भी सम्पन्न हुआ।

अखाड़ों के कलाकारों ने लगाए करतब:–यात्रा के साथ चल रहे अखाड़ा कलाकारों ने अपने करतबों से नगरवासियों का मन मोह लिया। तलवारबाजी, लाठी संचालन और शरीर संतुलन जैसे रोमांचक करतबों ने श्रद्धालुओं के बीच उत्साह भर दिया।

पशुपतिनाथ मंदिर में किया जलाभिषेक:–मंदसौर पहुंचने पर कावड यात्रियों ने विश्व प्रसिद्ध भगवान पशुपतिनाथ की अष्टमुखी प्रतिमा के दर्शन कर जलाभिषेक किया और सुख-समृद्धि, उत्तम वर्षा व सामाजिक समरसता की कामना की। धार्मिक वातावरण, भक्ति, उल्लास व सामूहिक सहभागिता की भावना से जनमानस भाव विभोर रहा।

44 वर्षों से अनवरत जारी है परंपरा:–पिपलियामंडी के टीलाखेड़ा बालाजी मंदिर से मंदसौर तक यह कावड यात्रा पिछले 44 वर्षों से निरंतर आयोजित की जा रही है। वर्ष दर वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि हो रही है, जिससे यह यात्रा अब नगर की एक विशेष धार्मिक पहचान बन चुकी है।

सांदीपनी स्कूलों की बसे फिर थमी

खुद बच्चों को छोड़ने पहुंचे पालक

मंदसौर, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सांदीपनी स्कूलो की 90 से ज्यादा बसों का संचालन सोमवार से बंद हो गया। इससे करीब 05 हजार से ज्यादा विद्यार्थियो को परेशान होना पड़ा। इसके एक दिन पहले ही स्कूलों ने अभिभावकों को सूचना जारी कर दी गई थी। जसमें कहा गया था कि अब बच्चों को स्कूल लाने-ले जाने की जिम्मेदारी पालको की होगी। इसके बाद पालक सोमवार को अपने साधन से बच्चों को स्कूल छाड़ने के लिए पहुंचे।

बस संचालकों के मुताबिक हर बस पर डेढ़ लाख रुपए से ज्यादा का बकाया राशि नहीं मिलने पर सेवाएं रोक दी हैं। बसों के बंद होने से दूर-दराज के इलाकों से आने वाले बच्चों की पढ़ाई पर असर पड़ना तय है। कई अभिभावकों ने स्कूलों से फिर से बस सेवा शुरू करने की मांग की है। इधर संचालकों का कहना है कि जब तक भुगतान नहीं होगा, बसें बंद रहेगी।

करीब सप्ताह भर पहले भी बस संचालकों ने भुगतान को लेकर बसें बंद कर दी थी। उस समय हुई बैठक में जिला पंचायत सीईओ व डीईओ टेरेसा मिंज ने भुगतान करवाने का आश्वासन भी दिया था। लेकिन, भोपाल स्तर पर बसों के टेंडर के चलते स्थानीय प्रशासन कुछ नहीं कर पाया। शिक्षा विभाग भी अब तक इस विषय को लेकर कोई फैसला नहीं ले पाया है। जिले के साबाखेड़ा, मल्हारगढ, चंदवासा, गरोठ, भानपुरा व गुर्जरबर्डिया स्कूलों में सीएम राइज अर्थात सांदीपनी स्कूलो की बसें चलती है। अब वे बसें नहीं चलने की वजह से बच्चों को खुद स्कूल जाना होगा। बस संचालकों ने बताया कि दो महीने से खर्च नहीं मिला है। एक बस पर प्रति महीने करीब 77 हजार रुपए खर्च के देने का प्रावधान है। इसमें डीजल, ड्रायवर - कंडक्टर की सैलरी व इंस्टालमेंट शामिल होती है। जिले के किसी भी बस संचालकों को भुगतान नहीं हुआ है।

बसें बंद होने से 02 से लगाकर 15 किलोमीटर दूर से आने वाले विद्यार्थियों को परेशानी हुई। संचालकों ने बताया कि उनकी बसें रोजाना बच्चों को स्कूल लाती ले जाती हैं। बैठक के सात दिन बीतने बाद भी भुगतान नहीं हुआ। शनिवार को बस मालिकों ने विद्यालय प्राचार्य को हस्ताक्षरित पत्र सौप कर 21 जुलाई से हड़ताल पर जाने की जानकारी दी थी। बस मालिक दीपक गुप्ता, ईश्वर कलावा और अर्जुन पहाड़िया ने बताया कि समय पर भुगतान नहीं हो रहा। चालक और परिचालकों को वेतन भी नहीं मिल पाया। पीएफ की राशि भी उनके खातों में जमा नहीं की जा रही है। बस सेवा बंद होने से सैकड़ों बच्चों की पढाई पर असर पड़ेगा।

ओंकारेश्वर के गोमुख घाट पर नीमच का युवा डूबा

नीमच, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। तीर्थ नगरी ओंकारेश्वर में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं के साथ हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। नर्मदा में स्नान करने आने वाले श्रद्धालुओं के साथ एक सप्ताह में दूसरी घटना सामने आई है। यहां दूसरे राज्यों से आए दो युवक नदी में हादसे का शिकार हो गए। इसमें एक की मौत हो गई, वहीं दूसरे को समय रहते बचा लिया गया।

जानकारी के अनुसार राजस्थान के चित्तौड़गढ़ निवासी विशाल पिता मदनलाल व नीमच जिले के ग्राम छाच निवासी 26 वर्षीय पंकज पिता कैलाश गोमुख घाट के पास स्नान कर रहे थे। बताया जा रहा है कि यह क्षेत्र प्रतिबंधित है। इस दौरान दोनों गहरे पानी में चले गए और नीमच के पंकज की मौत हो गई। वहीं राजस्थान निवासी युवक विशाल को बचा लिया गया।

सीबीएन के खिलाफ सीबीआई का शिकंजा...

घूसकांड में ट्रैप हुए इंस्पेक्टर महेन्द्रसिंह और हितेश का आखिर क्या है कनेक्शन..?

मंदसौर, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सीबीएन इंस्पेक्टर महेन्द्रसिंह चौधरी के रिश्वतकांड का खुलासा होने के बाद कई दलालो के नाम भी सामने आ रहे है। सूत्र बताते है कि पिपलिया मंडी का हितेश दलाली और हवाला कारोबार से जुडा होकर महेन्द्रसिंह के ईशारे पर अवैध काम करता था। एनडीपीएस के तोड़बट्टे हो चाहे हवाले का रूपया हितेश की भूमिका सबसे अहम मानी जा रही है।

खबरों के मुताबिक सीबीएन इंस्पेक्टर महेन्द्रसिंह चौधरी की गिरफ्तारी के बाद सीबीआई उन तमाम दलालो की खोजबीन में जुटी है जो महेन्द्रसिंह की अवैध गतिविधियों में शामिल थे। जिसमें पिपलिया मंडी के हितेश का नाम भी शामिल होना बताया जा रहा है। सीबीएन इंस्पेक्टर महेन्द्रसिंह चौधरी के साथ अवैध गतिविधियों में लिप्त बताए जाने वाले हितेश के बारे में सूत्रो के हवाले से यह भी जानकारी सामने आई है कि हितेश कई तस्करो के घर में आसानी से आवा जाही करता है, महेन्द्र के ईशारे पर अब तक कई तस्करो से गठजोड़ बनाकर करोड़ो के तोड़बट्टे करने में हितेश की भूमिका संदिग्ध बताई जा रही है।

भाजपा नेता हत्याकांड का खुलासा जल्द

परिवारजनों पर भी शंका की सुई, चर्चा में है मृतक की महिला मित्र और टीआई की कॉल डिटेल

मंदसौर, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। नाहरगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम हिंगोरिया बड़ा में भाजपा नेता श्यामलाल धाकड़ हत्याकांड का खुलासा पुलिस जल्द कर सकती है। मामले में पुलिस कई एंगलो से जांच कर कड़ी से कड़ी जोड़ रही है। मामले में परिवारजनो पर भी शंका की सुई घुमी है। बता दें कि अभी तक महिला मित्र को लेकर जांच का बिंदु चल रहा था। परिजनों ने भी महिला मित्र को संदेही बताया, लेकिन इसी महिला मित्र को नाहरगढ टीआई प्रभात गौड़ पहले ही जानते थे। वारदात से पहले टीआई और संदिग्ध महिला भी कॉल पर लगातार एक दूसरे के संपर्क में थे। पुलिस की सीडीआर अर्थात कॉल डिटेल रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। मतलब साफ है कि टीआई भाजपा नेता की महिला मित्र को पहले से ही पहचानते थे। पुलिस कप्तान श्री अभिषेक आनंद सभी एंगल की जांच पर अपनी नजरे बनाये हुए है।

मृतक श्यामलाल के पिता दौलतराम धाकड़ का आरोप है कि महिला के उनके बेटे से अवैध संबंध थे और उसी ने सुपारी देकर इस हत्याकांड को अंजाम दिलवाया है। दौलतराम ने चेतावनी दी है कि यदि उन्हें न्याय नहीं मिला तो वे कलेक्टर कार्यालय का घेराव करेंगे और सड़क पर उतरेंगे। श्यामलाल की पुत्री मोनिका ने भी बताया कि हत्या वाले दिन ही उन्होंने महिला के बारे में पुलिस को सूचना दी थी। लेकिन, पुलिस ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। मोनिका का कहना है कि उनके पिता के साथ महिला के संबंध संदिग्ध थे और वह हत्या में किसी न किसी रूप से शामिल हो सकती है। श्यामलाल के चचेरे भाई सत्यनारायण धाकड़ ने कहा कि खान की गतिविधियां हमेशा संदेहास्पद रही हैं और वह किसी भी हद तक जा सकती है। हालांकि, उनके पास कोई ठोस सबूत नहीं है, लेकिन परिवार को संदेह है कि हत्या के पीछे महिला ही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार, श्यामलाल पर धारदार हथियार से गले और मुंह पर पांच वार किए गए। कमरे की दीवारों पर खून के धब्बे मिले हैं। पुलिस के अनुसार, हत्या से पहले मृतक की अंतिम बातचीत भी महिला मित्र से ही हुई थी, जिससे मामले की गुत्थी और उलझ गई है।

पुलिस ने इस हत्याकांड में मादक पदार्थों के व्यापार, अवैध संबंध, आर्थिक लेनदेन और पुरानी रंजिश जैसे सभी पहलुओं पर जांच की है। पुलिस ने इस हत्याकांड में मृतक के करीबी अर्जुन धाकड़, रामनिवास पाटीदार और बाबू धाकड़ से भी पूछताछ की है। मंदसौर पुलिस कप्तान अभिषेक आनंद, मल्हारगढ़ एसडीओपी नरेंद्र सोलंकी, टीआई प्रभात गौड़ सहित वरिष्ठ अधिकारी मामले की जांच में जुटे हुए हैं। श्यामलाल की कॉल डिटेल और सोशल मीडिया अकाउंट की भी गहन जांच साइबर सेल द्वारा की जा रही है।

कॉल डिटेल से चौंके अधिकारी...

हत्या के बाद सामने आई कॉल डिटेल (सीडीआर) ने सभी को चौंका दिया। रिपोर्ट के अनुसार, नाहरगढ़ थाना प्रभारी प्रभात गौड़ और भाजपा नेता की महिला मित्र के बीच हत्या से पहले लगातार बातचीत होती रही। यह पता नहीं चल पाया कि दोनों के बीच बार-बार क्या चर्चा होती थी। लेकिन, इस लंबे संवाद ने जांच को नए मोड़ पर ला दिया है।

सीसीटीवी बंद, महिला के परिजन पहले भी आए थे धाकड़ के घर...

हत्या वाले दिन गांव के मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे बंद मिले, जिससे जांच में और जटिलता आ गई है। सूत्रों के अनुसार, कुछ समय पहले महिला के परिजन भी श्यामलाल के घर आए थे और उनके संबंधों पर आपत्ति जताई थी। हत्या से पहले सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में श्यामलाल और महिला प्रेमी-प्रेमिका की तरह नजर आ रहे हैं। वीडियो के अंत में लिखा है- जान वापस आ जाओ, मुझे अकेला छोड़कर कहां चले गए। वहीं, श्यामलाल के मोबाइल से भी महिला के नंबर पर लगातार बातचीत होती रही।

विचार-मंथन

अमेरिका ने टीआरएफ को कैसे घोषित किया आतंकवादी संगठन?

अमेरिका ने द रेजिस्टेंस फ्रंट को आतंकी संगठन घोषित कर दिया है। इसे भारत की एक बड़ी कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है, भारत ने ना सिर्फ पूरी दुनिया में पाकिस्तान को एक्सपोज किया था बल्कि यह भी साबित किया था कि आतंकियों के तार सीधे-सीधे पड़ोसी मुल्क से जुड़े हुए हैं। इस बीच अमेरिका का भी टीआरएफ को आतंकवादी घोषित करना मायने रखता है। अमेरिका ने साफ शब्दों में कहा है कि लश्कर-ए-तैयबा द्वारा 2008 में किए गए मुंबई हमले के बाद पहलगाम भारत में नागरिकों पर सबसे घातक आतंकवादी हमला है। इसी वजह से अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा, 'विदेश मंत्रालय ने द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) को विदेशी आतंकवादी संगठन (एफटीओ) और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी (एसडीजीटी) के रूप में दर्ज किया है। अब एक सवाल उठता है- आखिर अमेरिकी किसी को कैसे आतंकवादी संगठन घोषित करता है? आखिर वो क्या प्रक्रिया रहती है जिसके जरिए कोई संगठन आतंकवादी संगठन घोषित किया जाता है? सवाल यह भी उठता है कि क्या किसी संगठन का आतंकवादी संगठन घोषित होना और किसी विशेष शख्स का टेररिस्ट घोषित होना अलग बात है? इन्हीं सवालों के जवाब आसान भाषा में जानने की कोशिश करते हैं- पहला स्टेप- सबसे पहले अमेरिकी विदेश विभाग के आतंकवाद निरोधक ब्यूरो पूरी दुनिया में कई संदिग्ध ग्रुप्स की गतिविधियों पर अपनी पैनी नजर रखता है, देखता है कि आखिर उस ग्रुप ने कहां-कहां हमले किए हैं, उसकी क्या प्लानिंग चल रही है, आखिर उसकी ताकत कितनी ज्यादा बढ़ चुकी है।

सेकेंड स्टेप- अब यहां भी एक पूरा क्राइटेरिया होता है, अगर किसी ग्रुप पर लंबे समय से नजर है भी, अगर उसे ग्लोबल आतंकवादी संगठन घोषित करना है, इसके लिए कुछ चीजों का पूरा होना जरूरी है। सबसे पहले तो वो विदेशी पृष्ठभूमि का होना चाहिए, इसके बाद अमेरिकी कानून के मुताबिक वो किसी आतंकी गतिविधि में शामिल होना चाहिए, इसके ऊपर उसकी गतिविधि अमेरिकी सुरक्षा के लिए खतरा बननी चाहिए। थर्ड स्टेप- अब किसी भी ग्रुप को आतंकवादी संगठन घोषित करने के लिए अमेरिका के राज्य सचिव कई दूसरे संबंधित अधिकारियों के साथ मीटिंग करते हैं, वहां पर तमाम आंकड़े डीकोड किए जाते हैं, किसी भी संगठन की पूरी हिस्ट्री निकाली जाती है और फिर सभी से बात कर किसी भी ग्रुप को एफटीओ घोषित किया जाता है। फोर्थ स्टेप- अब अगर किसी संगठन को आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया जाता है, उस स्थिति में उस पर कई सारे प्रतिबंध लग जाते हैं, उन्हें आर्थिक मदद मिलना काफी मुश्किल हो जाता है। अब टीआरएफ का अंतरराष्ट्री आतंकी संगठन घोषित होना भारत के लिए एक बड़ी कूटनीतिक जीत है। असल में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने क्वाड मीटिंग के दौरान भी टीआरएफ का मुद्दा उठाया था। ऐसे में उन मुलाकातों का असर अब दिख रहा है, अमेरिका ने सामने से टीआरएफ को एक आतंकी संगठन माना है। इसे पाकिस्तान के लिए भी एक करारी हार के रूप में देखा जा रहा है क्योंकि टीआरएफ की गतिविधियां भी सीधे तौर पर वहां से जुड़ी हुई हैं। इस आतंकी संगठन को लश्कर का ही प्रॉक्सी माना जाता है जो खुद एक अंतरराष्ट्रीय आतंकी संगठन है।

पुलिस-प्रशासन के सामने बड़ी चुनौती सकुशल कांवड़ यात्रा संपन्न करवाना

दीपक कुमार त्यागी

हर वर्ष की तरह ही इस बार भी पवित्र श्रावण मास में देवाधिदेव भगवान महादेव के करोड़ों शिव भक्त को शांतिपूर्ण व भक्तिमय वातावरण में सकुशल कांवड़ यात्रा करवाना एक चुनौती पूर्ण कार्य है। जिसको संपन्न करवाने के लिए, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा व राजस्थान का पुलिस-प्रशासन दिन-रात एक करके अपने पूरे दल-बल के साथ धरातल पर व्यवस्था बनाने में जुटा हुआ है। पुलिस-प्रशासन को कांवड़ियों की संख्या में इस वर्ष भारी इजाफा होने की उम्मीद है। ऐसी स्थिति में विशेषकर उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश के पुलिस-प्रशासन के ऊपर पर एक तरफ तो जहां कांवड़ियों की चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था करने कि अहम जिम्मेदारी है, वहीं दूसरी तरफ इन करोड़ों शिवभक्त कांवड़ियों के लिए समुचित व्यवस्था बनाने की जिम्मेदारी है, जिसमें दोनों राज्यों का शासन व पुलिस-प्रशासन दिन-रात जुटा हुआ है। वैसे देखा जाए तो पिछले कुछ वर्षों से वर्ष दर वर्ष कांवड़ लाने वाले शिवभक्तों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है। क्योंकि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों पर पुलिस-प्रशासन के द्वारा जिस तरह से उत्तर प्रदेश में शिवभक्त कांवड़ियों का सेवाभाव के साथ पलक-पांवड़े बिछाकर के स्वागत किया जाता है और कांवड़ियों को किसी प्रकार की कोई असुविधा ना हो इसका माइक्रो लेवल पर विशेष ध्यान रखा जाता है, इस स्थिति ने कांवड़ियों की संख्या में भारी इजाफा करने का कार्य कर दिया है। भारी-भीड़ की स्थिति में कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए एक फूलप्रूफ, चाक-चौबंद व्यवस्था करना बेहद चुनौती पूर्ण कार्य बन गया है। कांवड़ यात्रा में विशेषकर के उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के पुलिस-प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि लाखों शिवभक्त कांवड़ियों के बीच छिपे हुए चंद अराजकता फैलाने की मंशा रखने वाले हुड़दंगियों की आखिरकार वह कैसे पहचान करें।

हालांकि उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के पुलिस-प्रशासन के पास भक्तों की इस तरह की भारी भीड़ को नियंत्रण करने व उनके लिए समुचित व्यवस्था करने का दशकों पुराना लंबा अनुभव है, जिस अनुभव के बल पर ही इन दोनों राज्यों का सिस्टम हर वर्ष ऐसे मेलों में उत्पन्न विकट से विकट परिस्थितियों से भी आसानी से निपट लेता है। लेकिन इस बार शुरुआती दिनों से ही कांवड़ियों की भारी भीड़ उमड़ रही है, शुरू के दिनों की बात करें तो प्रशासन के द्वारा 10 जुलाई से हरिद्वार में जल लेकर अपने गंतव्य स्थल पर जाने वाले कांवड़ियों की गिनती शुरू की गई थी। प्रशासन के द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 10 जुलाई से लेकर 15 जुलाई मंगलवार की शाम 6:00 बजे तक 80 लाख 90 हजार कांवड़िए गंगा जल लेकर के अपने गंतव्य की तरफ वापस चल दिए, कांवड़ियों की यह संख्या प्रतिदिन बहुत तेजी से बढ़ती जा रही है, वहीं साथ ही चंद हुड़दंगियों के द्वारा बवाल भी किया जाने लगा है। जिसके चलते ही उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश में शुरूआती दौर के दिनों में ही कांवड़ मार्ग के अधिकांश रास्तों को वन-वे तक करना पड़ गया है। हालांकि इससे आम लोगों को काफी असुविधा भी हो रही है। लेकिन पुलिस-प्रशासन क्या करें देश में जिस तरह का माहौल चल रहा है, उस स्थिति में कांवड़ियों की सुरक्षा की पूरी व्यवस्था को चाक-चौबंद करने के लिए यह एक बेहद आवश्यक कदम है। इसलिए ही गंगा से लेकर मंदिर व कांवड़ यात्रा मार्ग पर अब चप्पे-चप्पे पर होमगार्ड, ट्रैफिक पुलिस, पुलिस, पीएसी, आरएएफ, एटीएस आदि का सख्त पहरा नज़र आने लगा है। घाटों पर एनडीआरएफ व गोताखोरों की टीम दल-बल के साथ तैनात हैं, कांवड़ यात्रा मार्ग पर जगह-जगह अग्निशमन विभाग के जांबाज भी तैनात हैं। वहीं पुलिस-प्रशासन के आला अधिकारी स्वयं पूरी टीम के साथ सड़कों पर उतरे हुए हैं और एक एक व्यवस्था को खुद परखने का कार्य कर रहे हैं। क्योंकि इस बार शुरुआती दौर से ही कांवड़ यात्रा में उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों में हुए विवादों व तोड़फोड़ की कुछ घटनाओं ने पुलिस-प्रशासन को सोचने पर मजबूर कर दिया है। क्योंकि इस बार विवाद के अधिकांश मामलों को बिना वजह की ही बात के बतंगड़ बनाकर के तूल देने के प्रयास किए गए, जिन्हें पुलिस-प्रशासन ने तत्काल ही समझदारी से सूझबूझ दिखाते हुए शांत करवाने का कार्य करते हुए, हुड़दंगियों के खिलाफ़ सख्त कार्यवाही करते हुए माहौल को सामान्य करने का कार्य बखूबी किया है। विवादों की इन चंद घटनाओं के चलते ही कांवड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था में लगा हुआ पुलिस-प्रशासन का पूरा सिस्टम अचानक से हाई अलर्ट मोड पर चला गया है, सरकार व सिस्टम कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी तरह की लापरवाही व कोई भी चूक बिल्कुल भी नहीं चाहता है। उदाहरणार्थ कांवड़ियों की सुरक्षा की बेहतर व्यवस्था बनाने के लिए सख्ती का आलम यह हो गया है कि गाजियाबाद तक में भी 14 जुलाई से ही रास्ते वन-वे या बंद कर दिए है। हालांकि रास्ते वन-वे होने से क्षेत्र के आम लोगों को जबरदस्त असुविधा हो रही है। लेकिन अलग कांवड़ यात्रा मार्ग ना होने से पुलिस-प्रशासन के पास अन्य कोई विकल्प उपलब्ध नहीं है। कांवड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था को देखें तो इस बार उत्तराखंड में कांवड़ियों के जल भरने के सभी स्थान गोमुख, गंगोत्री, ऋषिकेश, हरिद्वार आदि से लेकर के उत्तर प्रदेश तक में भी पूरे कांवड़ यात्रा मार्ग पर सीसीटीवी कैमरों व चप्पे-चप्पे पर पुलिस व अर्द्ध सैनिक बलों के सुरक्षाकर्मियों का जाल बिछा दिया गया है, कंट्रोल रूम में बैठकर सुरक्षा विशेषज्ञ चप्पे-चप्पे पर निगरानी रख रहे हैं। कांवड़ यात्रा में सुरक्षा व्यवस्था का आलम देखें तो गाजियाबाद जनपद में ही, पुलिस कमिश्नर जे. रविंद्र गौड़, जिलाधिकारी दीपक मीणा, नगरायुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल व अन्य सभी आवश्यक विभागों के मुखिया अपनी पूरी टीम के साथ चौबीसों घंटे मुस्तैद खड़े हुए नजर आते हैं। कांवड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस कमिश्नर जे. रविंद्र गौड़ ने जनपद के करीब 80 किलोमीटर लंबे कांवड़ मार्ग को 124 बीटों में विभाजित कर अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने चार स्थाई कंट्रोल रूम, एक मुख्य कंट्रोल रूम, दो सब कंट्रोल रूम और आठ स्टैटिक कंट्रोल रूम बनाए हैं। कांवड़ मार्ग को 1657 सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में रखा गया है। 71 बैरियर लगाए गए हैं। 33 सार्वजनिक घोषणा प्रणाली बनाई गई है। 1560 पुलिस स्वयंसेवक व 10587 शांति समिति के सदस्य तैनात हैं। पीआरवी एवं चीता मोबाइलों को कांवड़ मार्ग में और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर लगाया गया है। घाटों पर एनडीआरएफ की टीम तैनात की गयी हैं। दमकल की 12 गाड़ियां विभिन्न स्थानों पर तैनात हैं, कांवड़ यात्रा मार्ग पर लगें शिविरों की अनुमति देते समय ही आग से बचाव हेतु अग्निरोधी यंत्र, रेत की बाल्टी एवं पानी का ड्रम रखवाने के लिए शिविर आयोजकों को निर्देशित किया गया है। कांवड़ शिविरों में विद्युत सुरक्षा उपायों के किये जाने का निर्देश दिए गए हैं।

गुस्सा क्यों आता है? ठहरिए, समझिए...

अविनाश जोशी

आज के तनावपूर्ण जीवन, प्रतिस्पर्धा और संचार की कमी के युग में यह प्रश्न प्रासंगिक हो गया है- आखिर हम सबको गुस्सा क्यों आता है? इसके पीछे कई कारण होते हैं। यह केवल एक क्षणिक प्रतिक्रिया नहीं है, बल्कि मन, मस्तिष्क और सामाजिक परिवेश की एक जटिल प्रक्रिया का परिणाम है। गुस्से का एक प्रमुख कारण है अपेक्षा और यथार्थ के बीच का टकराव। जब हम किसी से कोई उम्मीद करते है, जैसे कि परिवार में सहयोग, कार्यस्थल पर मान्यता या सामाजिक स्तर पर सम्मान, और वह हमें नहीं मिलता, तो हम भीतर से टूटते हैं। इसका पहला परिणाम होता है गुस्सा, जो बाहर निकलकर शब्दों या व्यवहार के रूप में सामने आता है। इसके अलावा, असुरक्षा और भय भी बड़े कारण हो सकते हैं। जब हम खुद को किसी खतरे में पाते हैं, चाहे वह शारीरिक हो, मानसिक हो या सामाजिक, तब मस्तिष्क एक स्वाभाविक प्रतिक्रिया देता है, जिसे 'फाइट या फ्लाइट', यानी लड़ो या भागो कहते हैं। इस प्रतिक्रिया में अगर हम लड़ने की मुद्रा में जाते हैं, तो वह गुस्से के रूप में प्रकट होता है। कुछ कारण हमारे अतीत में भी छिपे रहते हैं। बचपन के अनुभव, उपेक्षा, अपमान या कोई गहरी पीड़ा हमारे अवचेतन में ऐसे जम जाती है कि कभी-कभी वर्तमान की कोई हल्की-सी बात उस पुराने घाव को कुरेद देती है। हमें लगता है कि हम वर्तमान से नाराज हैं, लेकिन वास्तव में हमारे भीतर वह गहरी वेदना बोल रही होती है। उदाहरण के लिए, अगर किसी को बचपन में बार-बार यह कहा गया हो कि वह किसी काम का नहीं है, और अब कार्यस्थल पर उसका काम बार-बार अस्वीकार हो रहा है, तो वह गुस्सा पुराने अनुभव से जुड़कर तीव्र हो जाएगा। कभी-कभी थकान, तनाव और असंतुलित जीवनशैली भी हमें गुस्से की तरफ धकेलती है। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम पर्याप्त नींद, सही आहार नहीं लेते और अपने मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी करते हैं। नतीजतन, हमारी सहनशक्ति कम हो जाती है। हम जरा-जरा-सी बात पर चिड़चिड़े हो जाते हैं और छोटी-छोटी असुविधाएं भी गुस्से को जन्म देती हैं। इसके अतिरिक्त, संवाद की कमी भी गुस्से का एक बड़ा कारण है। जब हम अपनी भावनाओं को सही तरीके से व्यक्त नहीं कर पाते और सामने वाला व्यक्ति भी हमारी बात को समझने की कोशिश नहीं करता, तो वह अवरोध गुस्से में बदल जाता है। बात को दबाना, स्पष्ट न कहना या दूसरों से संवाद की अपेक्षा रखना, लेकिन स्वयं मौन रहना- ये सब स्थितियां गुस्से को जन्म देती हैं। समाज और संस्कृति भी हमारे गुस्से के स्वरूप को प्रभावित करती हैं। बचपन से हमें सिखाया जाता है कि 'लड़कों को गुस्सा करना चाहिए, तभी वे मजबूत बनते हैं', और 'लड़कियों को गुस्सा नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह उनका सौंदर्य बिगाड़ता है।' ऐसे विचार हमारे भीतर गुस्से को लेकर भ्रम और दमन की स्थिति पैदा करते हैं। परिणाम यह होता है कि या तो गुस्सा भीतर ही भीतर सड़ता है और मानसिक पीड़ा बनता है, या वह किसी दिन अचानक विस्फोट बनकर सब कुछ तोड़ देता है। प्रश्न उठता है कि क्या गुस्से से बचा जा सकता है? क्या हम गुस्से को समझकर उसे सकारात्मक दिशा दे सकते हैं? दरअसल, गुस्से को नियंत्रित करने के लिए सबसे पहला कदम है उसकी पहचान। हर बार जब हमें गुस्सा आए, तो कुछ पल ठहर कर खुद से पूछना चाहिए कि 'क्या मुझे वाकई इस बात पर इतना गुस्सा आना चाहिए! क्या यह प्रतिक्रिया उचित है या यह किसी पुराने अनुभव से जुड़ी है?' भावनाओं को व्यक्त करना सीखना बहुत जरूरी है। गुस्से को दबाना या फूट पड़ना, दोनों ही गलत है। सही तरीका यह है कि हम शांत स्वर में अपनी बात रखें। मसलन, 'तुमने ऐसा क्यों किया?' के बजाय 'जब ऐसा होता है, तो मुझे बुरा लगता है,' कहना कहीं अधिक सकारात्मक और संवादी होता है। हमारी स्वस्थ जीवनशैली, योग, ध्यान, नियमित व्यायाम, संतुलित आहार और भरपूर नींद, मन को स्थिर और शांत रखने में सहायक होते हैं। एक और महत्त्वपूर्ण पक्ष है- माफ करना सीखना। क्षमा केवल दूसरों के लिए नहीं, स्वयं के लिए भी आवश्यक है। जब हम दूसरों की गलतियों को पकड़कर बैठे रहते हैं, तो गुस्सा हमारे भीतर बारूद की तरह जमा होता रहता है। माफ करना उस बारूद को बाहर फेंकने जैसा है। दरअसल, गुस्सा हमें बताता है कि कुछ गड़बड़ है।

प्रीह विहियर मंदिर थाईलैंड, भगवान शिव से है कनेक्शन

थाईलैंड और कंबोडिया के रिश्तों में इन दिनों फिर से तनाव चल रहा है। तनाव की वजह एक मंदिर है। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच विवाद की वजह सदियों पुराना एक प्राचीन शिव मंदिर है। 1962 में मंदिर के विवाद को लेकर इंटरनेशनल कोर्ट ऑफ जस्टिस ने दखल भी दिया था लेकिन बावजूद उसके यह मामला नहीं सुलझ पाया। इस मंदिर पर दोनों ही देशों का दावा है और इसे लेकर हाल ही में दोनों देशों के सैनिकों के बीच झड़प भी हो चुकी है। 28 मई को थाईलैंड और कंबोडिया की विवादित सीमा पर हिंसक झड़प हुई और इसमें कंबोडिया के एक सैनिक की मौत हो गई। यह मंदिर प्रीह विहियर यानी प्राचीन शिव मंदिर है। इसे थाई भाषा में फा विहान कहा जाता है। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच 800 किलोमीटर लंबी सीमा है। विद्वानों का मानना है कि पहले सियामी (थाईलैंड के लोग) और खमेर (कंबोडिया के लोग) के लोगों के बीच व्यापार, विवाह और सांस्कृतिक आदान-प्रदान होता था और बहुत मधुर संबंध थे लेकिन 14 वीं शताब्दी के आसपास जब खमेर साम्राज्य कमजोर पड़ने लगा तो थाई साम्राज्य ने कंबोडिया की राजधानी अंगकोर पर कब्जा कर लिया। खमेर ने इसके जवाब में थाईलैंड पर हमला किया और 16वीं शताब्दी तक इनके बीच झड़पें चलती रही। 1904 के एक नक्शे के मुताबिक, थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा का निर्धारण किया गया जिसमें इस प्राचीन प्रीह विहियर मंदिर को कंबोडिया की सीमा में दिखाया गया। चर्नविट कासेत्सिरी, पोउ सोथिरक और पाविन चाचावलपोंगपुन ने अपनी संयुक्त किताब प्रीह विहार- ए गाइड टू द थाई कंबोडिया कॉनफिलेक्ट एण्ड इट्स स्आलुशन (2013) में लिखा है कि सियाम यानी थाईलैंड को औपनिवेशिक राजनीति के दबाव में फ्रांस के साथ संधि करनी पड़ी और उसने कंबोडिया के कुछ इलाकों बट्टमबांग, सिसोफोन और सिएम रीप को फ्रांस को दे दिया। वे अपनी किताब में यह भी लिखते हैं कि 50 साल से ज्यादा वक्त तक थाईलैंड चुप रहा और इससे मंदिर को लेकर उसका दावा कमजोर हो गया। इतिहासकार डॉन एफ. रूनी ने अपनी किताब अंजकौर कंबोडिया वंडर्स खमेर टैंपल(2006) में लिखा है कि एक पुरानी मान्यता के मुताबिक, खमेर जाति के पूर्वजों में से एक प्रीह थोन्ग भारत से कंबोडिया आए थे क्योंकि राजा ने नाराजगी की वजह से उन्हें निर्वासित कर दिया था। 10वीं से 14वीं शताब्दी के बीच जब ईसाई धर्म का उदय हुआ तब भारत से बहुत सारी धार्मिक मान्यताएं और प्रथाएं भी कंबोडिया तक पहुंची और इस दौरान ईसाई धर्म का भी उदय हुआ। थाईलैंड भी हिंदू धर्म से प्रभावित था। उदाहरण के लिए थाईलैंड के अयुत्थया राज्य का नाम अयोध्या के नाम पर रखा गया और यह हिंदू धर्म का केंद्र बन गया। थाईलैंड में रामायण का थाई संस्करण रामकेन भी लिखा गया। यह बात भी बेहद दिलचस्प है कि खमेर की कला में हिंदू देवी-देवताओं के चिन्हों को दिखाया गया उनमें शिव सबसे पहले थे। शिव का चित्रण एक लिंग के रूप में किया जाता था और वह पॉलिश के पत्थर से बनी हुई एक आकृति होती थी। यहां शिव को दयालु देवता के रूप में दिखाया गया था ना कि उग्र रूप में जैसा कि भारत में उन्हें दिखाया जाता है। प्रीह विहियर मंदिर थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर डोंगरेक पहाड़ियों की चोटी पर स्थित है। राजनीतिक वैज्ञानिक पुआंगथोंग आर पावकपन ने स्टेट एण्ड यूनिसिविल सोसायटी इन थाईलैंड एट द टैंपल आफ प्रीह विहियर में लिखा है कि इस मंदिर में पांच मुख्य प्रवेश द्वार हैं, जो सीढ़ियों और गलियारों से जुड़े हैं।

ट्रंप ने पांच जेट गिरने का दावा किया तो राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधा

आज का राशिफल

मेष [illegible]

वृषभ [illegible]

मिथुन [illegible]

कर्क [illegible]

सिंह [illegible]

कन्या [illegible]

तुला [illegible]

वृश्चिक [illegible]

धनु [illegible]

मकर [illegible]

कुंभ [illegible]

मीन [illegible]

शासकीय नर्सिंग कालेज में पोस्टर प्रतियोगिता सम्पन्न

मंदसौर, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. दीपा पाठक ने बताया कि मलेरिया एवं डेंगू जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत शासकीय नर्सिंग कॉलेज में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न छात्राओं ने मच्छरों की उत्पत्ति, उनको रोकने के उपाय, मलेरिया एवं डेंगू के लक्षण, कारण, निवारण के संबंध में विभिन्न पोस्टर के माध्यम से दर्शाया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.जी.एस. चौहान के निर्देशन में पूरे जिले में विभिन्न विधाओं के माध्यम से जागरूकता अभियान संचालित किए जा रहे है। बारिश के समय मलेरिया एवं डेंगू जैसी बीमारियों से बचने के लिए हमें स्त्रोत को नष्टकरना होगा। जो जन जागरूकता के माध्यम से ही संभव है। अपने घरों के आस-पास रखे गए कंटेनरों को आवश्यकता न हो तो उल्टा करके रख दें। कूलरों की प्रति सप्ताह सफाई करे या उसे सुखा दें। आसपास भरे पानी में जला हुआ आयल/केरोसीन डाल सकते है। जिससे लार्वा नष्ट हो जाता है। अपने घरों के अंदर भरे कंटेनर को प्रति सप्ताह साफ करें। इसी जागरूकता के उद्धेश्य से पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें प्रथम पुरूस्कार नयन आलिया, द्वितीय पुरूस्कार पुजा बावना एवं तृतीय पुरूस्कार जया ज्योती को प्रदाय किया गया।

आम आदमी पार्टी की चुनावी रणनीति के साथ तैयारियां शुरू

मंदसौर, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। आम आदमी पार्टी के प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार संगठन को मजबूत करने के लिए बैठकें कर तैयारियां शुरू कर दी है। इसी के तहत जिला सहप्रभारी भंवरसिंह पंवार ने पदाधिकारियों से मुलाकत कर मार्ग प्रशस्त किया। जिला पदाधिकारियों ने जिला प्रभारी श्री भंवरसिंह पंवार का पुष्प माला से स्वागत किया। श्री पंवार ने संगठन विस्तार देने के लिए कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया, इसके साथ ही राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार पर आधारित योजनाएं और मजदूर वर्ग जनहितेषी विचारधारा को जन जन तक पहुंचाने और विधानसभा स्तर, ब्लॉक स्तर, ग्राम स्तर पर समितियां गठित करने की रणनीति बनाई। बैठक में बड़ी संख्या में कार्यकर्तागण शामिल हुए, इसमें जिला अध्यक्ष यशवंत धाकड़, पूर्व जिला अध्यक्ष गंगाराम पाटीदार, जिला सचिव विकास अग्रवाल, जिला सह सचिव इस्माइल शाह, मीडिया प्रभारी प्रकाश दोसावत, जिला उपाध्यक्ष चैनसिंह सोनगरा सहित कई कार्यकर्तागण मौजूद रहे। यह जानकारी प्रकाश दोसावत द्वारा दी गई।

सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी संघ द्वारा नवीन कार्यकारणी का गठन एवं पौधारोपण किया

मनासा, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी संघ नीमच के तत्वाधान में दिनांक 20 जुलाई रविवार को झरनेश्वर महादेव प्रागण पर जिला स्तरीय मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें सर्वसहमति से सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी संघ की नवीन जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमे जिला अध्यक्ष :- श्रीमती अंजलि पुरोहित, जिला उपाध्यक्ष:- श्री सुनील पाटीदार, जिला कोषाध्यक्ष:- श्रीमती रीना बैरागी, जिला सचिव:- श्री पिंकेश जी परिहार, जिला सहसचिव:- अमृतलाल जी मेघवाल, जिला मीडिया प्रभारी:- श्री ललित जी शर्मा, जिला सलाहकार:- श्री रोहित जी पटेल, श्री धर्मेंद्र जी परिहार, श्री संतोष जी शर्मा जिला कार्यकारणी सदस्य:- श्री कुलदीप जी भट्ट, श्री ईश्वर जी दायमा, श्री मुस्तकीम जी गोरी को मनोनीत किया गया। साथ ही तहसील कार्यकारी का गठन भी किया गया जिसमें मनासा ब्लॉक अध्यक्ष:- श्री लोकेन्द्र सिंह जी , उपाध्यक्ष:- श्री जलज निर्वाण पालसोड़ा ब्लॉक अध्यक्ष :- श्री योगेंद्र जी कुमावत, उपाध्यक्ष:- श्री राहुल जी आर्य, जावद ब्लॉक अध्यक्ष:- श्री चंद्रशेखर जी शर्मा, उपाध्यक्ष:- श्रीमती ललिता धाकड़ को मनोनीत किया गया। कार्यकारणी गठन कर पश्चात मनासा सिविल हॉस्पिटल अधीक्षक श्री डॉ पलास जी फुलेरा की उपस्थिति में सभी सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा झरनेश्वर महादेव प्रागण क्षेत्र में वृक्षारोपण किया गया,

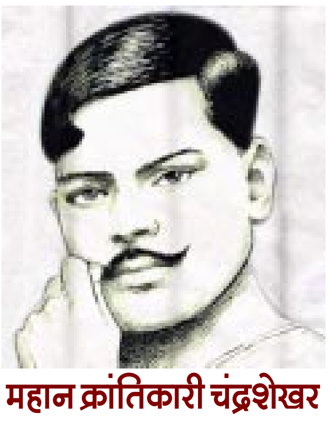

महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद का जन्मदिवस कल मनाया जाएगा

मंदसौर, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। महान क्रांतिकारी देश की आजादी के महान नायकों के लिए तथा सैनिक के सम्मानों के लिए समर्पित देश का पहला संगठन, लगातार 15 वर्षों से महान क्रांतिकारियों के विचारधारा वाला देश बनाने के लिए संकल्पित दशपुर जागृति संगठन द्वारा 23 जुलाई को प्रात: 9.30 बजे चंद्रशेखर आजाद प्रतिमा स्थल सम्राट मार्केट में पहुंचकर 21 किलो की फूलों की माला पहनाकर महान क्रांतिकारियों के समक्ष शपथ के साथ पुष्पांजलि अर्पित कर आजाद की जयंती मनाई जाएगी। इस दौरान उनके चरणों में कलावा बांधकर भारतीय संस्कृति का जनेऊजो आजाद हमेशा पहना करते वह पहनाया जाएगा।

इस कार्यक्रम में देशभक्त संगठनों को आमंत्रित किया गया है। यह कार्यक्रम नगर पालिका के विशेष सहयोग से आयोजित किया जाता रहा है। संगठन के वरिष्ठआरसी पांडे, डॉ. देवेंद्र पुराणिक, राजाराम तंवर, रविंद्र पांडे, बीएस सिसोदिया, अरुण गौड़, सीमा चौरडिया, हरिशंकर शर्मा, आशीष बंसल, महेश शर्मा, सुनील बंसल, राजेंद्र चास्टा, केशव राव शिंदे, श्याम, अजीजउल्लाह खान खालिद, जितेंद्र जैन, मनोज मंडोर, चेतन भावसार, विष्णु बैरागी, आशुतोष बैरागीआदि ने सभी देशभक्तों से अपील की है कि 23 जुलाई को प्रात: 9.30 बजे चंद्रशेखर आजाद प्रतिमा स्थल पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित करें। यह जानकारी जयंत भावसार द्वारा दी गई।

मनोकामना अभिषेक में 35 जोड़ों सहित 82 अभिषेकार्थी बैठे

मंदसौर, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भगवान पशुपतिनाथ मंदिर में श्रावण मास के एकादश दिवस के द्वितीय सोमवार को मंदिर स्थित आराधना सत्संग भवन में भारत स्वाभिमान संगठन और 35 जोड़ो पति-पत्नी एवं अन्य सहित 82 अभिषेकार्थियों ने अभिषेक में सहभागिता की। मनोकामनाभिषेक में पतंजलि राज्य कार्यकारिणी सदस्य तथा भारत स्वाभिमान जिला प्रभारी महेश कुमावत, पतंजलि जिला संरक्षक योग गुरु बंसीलाल टांक, अनिल कुमार जोशी, विनय राठौर, प्रकाश चावड़ा सेमलिया फौजी, नानालाल लोध, दीनदयाल

गुराडिया देदा, कन्हैयालाल माली डिगांव आदि ने महाभिषेक किया।

इस अवसर पर अभिषेक करा रहे आचार्य पं. विष्णु ज्ञानी ने अभिषेकार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जब हमें किसी धार्मिक, आध्यात्मिक विशेष कार्यक्रम में सम्मिलित होने का अवसर मिलता है तो उस समय हमें अपनी भारतीय संस्कृति के अनुसार हमारी वेशभूषा धोती कुर्ता धारण कर जाना चाहिए जिससे पवित्रता बनी रहती है और हमारा जो आध्यात्मिक प्रोटोकॉल है उसका भी पालन हो जाता है। आपने कहा धन की दरिद्रता कोई दरिद्रता नहीं है सबसे बड़ी दरिद्रता और गरीबी अगर हम हमारे धर्म के अनुसार हमारी संस्कृति के अनुसार हमारा पहनावा हमारा खानपान आदि यदि शुद्ध और पवित्र नहीं है तो समझो हम सबसे बड़े दुनिया के दरिद्री है। आपने अभिषेक में प्रयुक्त पंचामृत अर्थात हमारी देसी भारतीय गाय का दूध, दही, घी और शहद का उल्लेख करते हुए देशी गाय के संबंध में बताया कि देशी गाय का दूध दही घी स्वास्थ्य की दृष्टि से उपयोग में लेना आवश्यक है इसके साथ ही गोमूत्र और गोमय अर्थात गोबर सभी तत्व औषधि के रूप में हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत ही आवश्यक है। गोमय अर्थात देसी गाय के गोबर का महत्व बताते हुए आपने बताया कि शास्त्रों के अनुसार गाय के गोबर में लक्ष्मी नारायण का निवास होता है जिस घर में गाय पालन होकर के गौ माता के गोबर का लेपन होता है वहां मच्छर कीटाणु आदि नहीं होते आध्यात्मिक दृष्टि से समझो वह घर पवित्र है क्योंकि भारतीय देसी गाय में हमारे हिंदू 34 करोड़ देवी देवताओं का निवासमाना गया हैऔर यदि हमारे घर में गाय नहीं हो परंतु बाहर से यदि कोई देसी गाय दरवाजे पर आकर गोबर कर जाती है तो उससे घृणा नहीं करते हुए समझो गौ माता ने उनके मकान को उचित समझ कर गोबर के रूप में भगवान लक्ष्मी नारायण के दर्शन का लाभ दिया है । मनोकामना अभिषेक का महत्व बताते हुए आचार्य श्री ने कहा कि भगवान पशुपतिनाथ के सानिध्य में बैठकर समूह में जो अभिषेक किया जा रहा है उसे अभिषेकार्थियों की मनोकामना पूर्ण होने के साथ ही सावन मास के भगवान शिव की आराधना साधना का पुण्य फल उन्हें अवश्य प्राप्त होता है आपने समस्त शिव भक्तों से अनुरोध किया है कि उन्हें समय निकालकर भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन के साथ ही मनोकामना अभिषेक का भी अवश्य लाभ लेना चाहिए।

ईमानदारी से आजीविका प्रत्येक का कर्त्तव्य-रातड़िया

मंदसौर, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। आध्यात्मिक चेतना अभियान द्वारा आध्यात्मिक संवाद का आयोजन किया गया। प्रमुख वक्ता श्री प्रकाश रातडिया ने कहा कि प्रभु और प्रकृति ने सभी मनुष्यों व अन्य प्राणियों के निर्वाह के लिए पर्याप्त साधन उपलबध करवाये है किन्तु जब कोई हक और जरूरत से ज्यादा कब्जा कर लेता है तो कई लोग वंचित हो जाते है। विषमता पैदा होती है, संघर्ष होता है इसलिये अपरिग्रह अपनाया जाना आवश्यक है। श्री ऋषियानंदजी महाराज का सदेश थोडे मे निर्वाह का स्वभाव बनाओ अपरिग्रह का ही रूप है। आपने कहा कि सम्मानपूर्ण जीवन निर्वाह के लिए ईमानदारी से आजीविका प्रत्येक का कर्तव्य है। जो मेहनत की रोटी खाता है उसके मन मे शांति रहती है किन्तु अनैतिक तरीके से धन अर्जन करता है उसकी नींद चली जाती है। यह समाज के लिये घातक है। वरिष्ठसाहित्यकार श्री गोपाल बैरागी ने कहा कि भाग्य और पुरूषार्थ दोनो जरूरी है। सत्कर्म से ही सौभाग्य उदय होता है। कर्म से ही भाग्य का निर्माण होता है। श्री राजकुमार जसवंत एवं श्री सत्यनारायण भूरिया ने विचार रखे। श्री सुरेश पण्ड्या, श्री अभय जैन, श्री सुरेश कोठारी, श्री विनोद चैबे, श्री प्रहलाद मालवीय ने मंगलाचरण गीत भजन प्रस्तुत किये। श्री वल्लभ बघेरवाल, श्री प्रकाश कल्याणी, श्री राजेन्द्र छाजेड, श्री लक्ष्मीनारायण कोठारी, श्री सुनील फरक्या, श्री अमृतराम सुनार्थी, श्री ओमप्रकाश जायसवाल, श्री शांतिलाल ब्रिजवानी, श्री त्रिलोचनसिंग छाबडा ने संवाद मे सहभागिता की। श्री सांई मंदिर प्रबंधक श्री निरंजन भारद्वाज ने गतिविधियो की जानकारी दी। संचालन आध्यात्मिक चेतना अभियान के संयोजक श्री विनोद शर्मा ने एवं आभार प्रदर्शन श्री कृष्णकुमार जोशी ने किया।

अभा पूर्व सैनिक सेवा परिषद जिला मंदसौर की त्रैमासिक बैठक सीतामऊ में संपन्न

मंदसौर, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। अ.भा. पूर्व सैनिक सेवा परिषद की सीतामऊ इकाई द्वारा सीतामऊ स्थित राधा की बावड़ी, हनुमान मंदिर में त्रैमासिक बैठक का आयोजन किया गया।

सर्वप्रथम मंचासीन अतिथियों द्वारा भारत माता एवं सरस्वती माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके पश्चात हाल ही में सेवानिवृत होकर लौटे कैप्टन सुरेश परमार व सीतामऊके दो सेवानिवृत्त पूर्व सैनिक लालचंद एवं दशरथ मालवीय का स्वागत किया गया। इसके पश्चात आने वाली 26 जुलाई को एचडीएक्स डूप्लेक्स किटियानी मंदसौर कारगिल पार्क में कारगिल विजय दिवस मनाने को लेकर रूपरेखा तय की गई तत्पश्चात सह कोषाध्यक्ष नरेंद्र पाटीदार द्वारा संगठन के आय-व्यय रखा गया। सभी पदाधिकारियों द्वारा संगठन को मजबूती व संगठन के अन्य विषयों पर भी चर्चाएं हुई सभी सहभागियों को सीतामऊइकाई द्वारा सहभोज करवाया गया। जिला अध्यक्ष मुकेश गुर्जर ने सीतामऊइकाई कि प्रशंसा की। संचालन सीतामऊतहसील प्रभारी महेंद्र जोशी ने किया आभार जिला सचिव भगवत सिंह सिसोदिया ने माना। इस अवसर पर संगठन के मार्गदर्शक श्रवण कुमार त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष दशरथ सिंह चौहान, मोहनलाल पोम्पडिया, सुरेश परमार, जिला अध्यक्ष मुकेश गुर्जर, शंभू गिरी गोस्वामी, जिला सचिव भगवतसिंह सिसोदिया, मांगीलाल राठौर, रघुनाथसिंह दांगी, रामनारायण गुर्जर, मिट्ठू सिंह सिसोदिया, सन्नी भावसार, जिला पंचायत सदस्य जगदीश धनगर, बादर सिंह, रणजीत सिंह, प्रेमकुमार सोलंकी, ब्रजराज सोलंकी, लालचंद्र जितेंद्र माली, सीतामऊतहसी प्रभारी महेंद्र जोशी, शामगढ तहसील प्रभारी राजेश खारोल, सुवासरा तहसील प्रभारी विष्णु नारायण, मंदसौर तहसील प्रभारी ओमप्रकाश अहीरवाल, संगठन मंत्री प्रहलाद राठौड़, दिनेश पाटीदार, उपाध्यक्ष नरेंद्र खटवड, उपाध्यक्ष महेश राठौड़, सह कोषाध्यक्ष नरेंद्र पाटीदार, बनवर सिंह राठौड़, मुकेश सोलंकी, मंगल सिंह राठौड़, लक्ष्मीनारायण सोलंकी, राजेश नागदा, दशरथ मालवीय, दीपक सोनी, पर्वत लाल सोलंकी, नंदलाल, आकाश द्विवेदी, मनोज बंबोरिया, प्रेम सोलंकी, विनोद मालवीय, प्रदीप कैरवा सहित 50 पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

धार्वे ने दीनदयाल रसोई का निरीक्षण किया

नीमच, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। दीनदयाल रसोई योजना के तहत बस स्टेण्ड नीमच पर रसोई का शहरी विकास परियोजना अधिकारी एवं डिप्टीण कलेक्टसर श्री चंद्रसिह धार्वे ने सोमवार को आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होएने दीनदयाल रसोई केंद्र प्रबंधक को भोजन की गुणवत्ताो पर विशेष ध्यारन देने के निर्देश दिए। साथ ही स्वोच्छबता पर ध्यावन देने और प्रतिदिन साफ-सफाई करवाने के निर्देश दिए। परियोजना अधिकारी ने उपस्थित हितग्राहियों से भोजन की गुणवत्तात के बारे में चर्चा की। उन्होंने भोजन बनाने वाले कर्मचारियों को सलाह दी, कि वे स्वच्छता के साथ भोजन बनाए।

जिला पंचायत की बैठक कल

मंदसौर, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन द्वारा बताया गया किजिला पंचायत मंदसौर की सामान्य प्रशासन स्थायी समिति की बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गा विजय पाटीदार की अध्यक्षता में 23 जुलाई 2025 को समय दोपहर 1:00 बजे जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित होगी।

श्री प्रेम प्रकाश आश्रम में सनातन धर्म का पूर्ण पालन किया जाता है-पं.जोशी

मंदसौर, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। श्री प्रेम प्रकाश आश्रम में सनातन धर्म का परिपूर्ण पालन करते हुए प्रति वर्ष घ् पवित्र पावन सावन मास के हर सोमवार को प्रात: 6 बजे अमृत वेला में अष्ठमुखी भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव की अष्ठधातु की प्रतिमा का विधी विधान एवं धार्मिक भावनाओं से अभिषेक किया जाता है। आज संयोग से सोमवारी एकादशी ग्यारस होने से भगवान आशुतोष का अभिषेक अत्यंत ही श्रेष्ठ है।

यह विचार मालवांचल के विद्वान पं. श्री उमेश जोशी (शास्त्री) ने सोमवार को अभिषेक कराते हुए प्रकट किये, आपने कहा कि इस आश्रम में शुद्धता एवं मर्यादा का पुरा पालन करते हुए धार्मिक गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। आचार्य सद्गुरु स्वामी टेऊँरामजी महाराज एवं सद्गुरुओं की पुण्यायी व प्रताप है जो आज श्री प्रेम प्रकाश आश्रम देश विदेश में सनातन धर्म का डंका बजा रहे हैं। प्रेमप्रकाश सेवा मण्डली के अध्यक्ष के पुरूषोत्तम शिवानी ने बताया सोमवार 21 जुलाई को अभिषेक सम्पन्न करवाने वाले लाभार्थी जजमान परिवार श्रीमती कमला देवी -सुरेश कुमार मोर्य एवं श्रीमती ममता नरेंद्र संगतानी थे जिन्होंने पूर्ण विधि विधान से पूजा अर्चना कर रूद्र अभिषेक सम्पूर्ण करवाया। इस दौरान श्री पशुपतिनाथ महांदेव की प्रतिमा का अति सुन्दर एवं मनमोहक श्रृंगार किया गया तथा भगवान की आरती की गई जिसका लाभ बड़ी संख्या में श्रृद्धालु संगत ने लिया। इस पावन अवसर पर अमृत वेला में पधारने वाले श्रद्धालु शिव भक्तों का आभार प्रदर्शन श्रीमती कमला सुरेश मोर्य एवं ममता नरेंद्र संगतानी ने प्रकट किया।

गो भक्तों ने निकाली कावड़ यात्रा

कुकड़ेश्वर, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मनासा विकासखण्ड की एकमात्र जनसहयोग से व युवाओं के समर्पण व त्याग से बेहतरीन तरीके से संचालित अरावली गौशाला आमेरी (टामोटी) में वर्तमान में गौ धाम बन गया है। कुकडेश्वर नगर के गौ भक्तों के द्वारा पठार पर स्थित अरावली गौशाला से कुकडेश्वर के प्रसिद्ध प्राचीन स्थल श्री सहस्त्र मुखेश्वर महादेव मंदिर तक पैदल कावड यात्रा निकली। जो सुबह 8 बजे गौशाला से प्रारंभ हुई व 11 बजे महादेव मंदिर पहुंची।

अरावली गौशाला के सफलतम 7 वर्ष पूर्ण होने व आठवें वर्ष में प्रवेश करने व क्षेत्र की सुख समृद्धि खुशहाली की कामना को लेकर कुकडेश्वर नगर के गौभक्त जयन मोदी, कान्हा टोडावाला, दक्ष धनोतिया, राहुल टोडावाल, पवन रोदवाल, अजय भाना, सुजल पोरवाल, कुनाल भाना, महेश मोनू मोदी के द्वारा सुबह भगवान श्री सहस्त्र मुखेश्वर महादेव का जयकारे लगाते हुए दर्शन लाभ लेकर, जलाभिषेक किया।

अभा साहित्य परिषद की संस्मरण विचार संगोष्ठी सम्पन्न

मंदसौर, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय साहित्य परिषद की संस्मरण संगोष्ठी वरिष्ठ पत्रकार डॉ. घनश्याम बटवाल के मुख्य आतिथ्य, डॉ. उर्मिलासिंह तोमर, चन्द्रकलासिंह के विशेष आतिथ्य, नरेन्द्रसिंह राणावत की अध्यक्षता एवं इंजि. दिलीप जोशी, नन्दकिशोर राठौर, नरेन्द्र त्रिवेदी, नरेन्द्र भावसार, अजीजुल्लाह खान, यशवंत प्रजापति, निरंजन भारद्वाज, प्रकाश कल्याणी, गोपाल पाण्डे जितेन्द्र टेलर, डी.जे.सिंह, राजकुमार अग्रवाल, फेंकी जैन की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर अमेरिका प्रवास से लौटी डॉ. उर्मिला

तोमर एवं चन्द्रकलासिंह ने अपने प्रवास के संस्मरण सुनाये। इस अवसर पर डॉ. बटवाल ने कहा कि अ.भा. साहित्य परिषद साहित्य की सभी विधाओं पर गोष्ठियां करके सही मायने में साहित्य संवर्धन कर रहा है। आज संस्मरण विषय पर जीवन की उन स्मृतियों की बात की जा रही है जो किसी यात्रा या घटनाओं के खट्टे मीठे अनुभव को चित्रित करती है। जिसमें अधिकांश स्मृतियों के खट्टे मीठे अनुभवों के एहसास होते है। दूसरे शब्दों में स्मृतियों के खट्टेमीठे एहसास का सुखद प्रकटीकरण है संस्मरण

इस अवसर पर डॉ. उर्मिला तोमर जो हाल ही में अमेरिका प्रवास से लौटी है अपना संस्मरण सुनाते हुए कहा कि वैसे तो सारे जहां से अच्छा हिन्दूस्तां हमारा है परन्तु अमेरिका में बसे अपने बेटे बहू एवं पोते के साथ बिताए पल मेरे लिये अविस्मरणीय है उसमें भी मेरा पोता तो अब वयस्क हो गया है। उससे 4 जुलाई जो अमेरिका का स्वतंत्रता दिवस है, एक स्थान पर जाने के लिये पूछा तो उसने कहा आप सब यदि मेरे साथ मेरी गाड़ी में चलेंगे तो गाड़ी मैं ही ड्राइव करूंगा और उस दिन 9 घण्टे तक गाड़ी चलाकर पूरी जिम्मेदारी के साथ पूरे परिवार को (मुझे और मेरे बेटे बहू) निर्धारित स्थान पर ले गया एवं वापस लेकर आया। इस अवसर पर चन्द्रकलासिंह ने अपना संस्मरण सुनाते हुए कहा कि मैं भी तोमर मेडम के साथ अमेरिका से लौटी हॅू। लौटते समय मैंने मेडम के भीतर एक सकारात्मक सोच एवं आखिरी समय तक हार नहीं मानने का जज्बा देखा। भारत वापसी में नईदिल्ली से मंदसौर ट्रेन से आने का रिजर्ववेशन 4.50 पर नईदिल्ली एयरपोर्ट पर लेडिंग और 6.30 पर निजामुद्दीन स्टेशन पर ट्रेन डिबार्चर लगभग डेढ़ घण्टे के कम समय में एयरपोर्ट से लगेज के साथ निकलना, निजामुद्दीन पहुंचना, कुली के मना करने पर भी उनका हौंसला बढ़ाना तथा ट्रेन छूटने से 10 सेकण्ड पहले सामान और मुझे लेकर ट्रेन में घूस जाना असंभव को संभव करने के लिये सर्तकता से सफल हो जाने का हौंसला मेडम तोमर में देखा जो मेरे लिये यादगार संस्मरण बन गया है। इस अवसर पर नंदकिशोर राठौर ने अपना तीन दिवसीय चिंतन शिविर डिकेन का साहित्यकारों द्वारा साहित्य की विभिन्न विधाओंपर आधारित चिंतन का संस्मारण सुनाया। इस अवसर पर गोपाल पाण्डे ने चन्द्रशेखर आजाद का संस्मरण सुनाया। फैनी जैन ने बासुरी वांदन किया, नरेंद्र त्रिवेदी ने संगीत महाविद्यालय का संस्मरण सुनाया, नरेन्द्र भावसार ने जीवन के हास्य संबंधित संस्मरण सुनाये तो राजकुमार अग्रवाल ने भजन सुनाया। कार्यक्रम का संचालन नरेन्द्र भावसार ने किया व आभार नन्दकिशोर राठौर ने माना।

मेघवाल समाज संघ की प्रांतीय बैठक 27 को आगर मालवा में

मंदसौर, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मेघवाल समाज के प्रदेशाध्यक्ष के निर्देशानुसार प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वर राठौर की अध्यक्षता में 27 जुलाई, रविवार को कंपनी गार्डन छावनी नाका आगर में आयोजित की जायेगी। जिसमें मंदसौर, नीमच, रतलाम, झाबुआ, उज्जैन, धार, देवास, इंदौर, आगर, शाजापुर, राजगढ़, गुना, ग्वालियर, सिहोर, भोपाल जिले के पदाधिकारी प्रतिनिधित्व करेंगे। बैठक में आगर, उज्जैन जिले की कार्यकारिणी का गठन भी किया जाएगा। निष्क्रिय लोगों को हटाकर सक्रिय समाज सेवियों को महत्व दिया जायेगा। प्रांतीय कार्यकारिणी का विस्तार किया जाकर कुछ जिलों के जिलाध्यक्ष नये जावेंगे। बैठक में आने वाले चुनाव समाज के सक्रिय समाजसेवी कार्यकर्ता को प्रत्याशी बनाने की रणनीति तैयार की जावेगी। भारतीय जनगणना में जाति के स्थान पर मेघवाल जाति दर्ज करने एवं अनुसूचित जाति दर्ज करने के जनजागृति अभियान चलाने पर विचार विमर्श किया जावेगा। आने वाले समय में प्रांतीय सम्मेलन आयोजित कर समाज के प्रतिभाओं एवं समाजसेवियों को सम्मानित करने की रूपरेखा निर्धारित की जावेगी। उक्त जानकारी के.सी. सोलंकी, प्रांतीय सचिव मेघवाल समाज संघ मध्यप्रदेश द्वारा दी गई।

भारत भ्रमण पर निकले साइकिल यात्री जितेन्द्र झा का स्वागत

मंदसौर, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। प्रकृति व पर्यावरण का संतुलन बनाये रखने व बेजुबान जीव जंतुओं, पशु पक्षियों को संरक्षित करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश जिले के ग्राम सरपुरा निवासी जितेन्द्र झा ने अखंड भारत एक साइकिल यात्रा ग्वालियर से निकले है। साइकिल करीब 7600 कि.मी. की यात्रा पूर्ण कर जितेन्द्र झां मंदसौर नगर पहुंचे यहां आपने भगवान श्री पशुपतिनाथ दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पुनित उद्देश्य से भारत भ्रमण पर निकले जितेन्द्र झा का गौ आरोग्य सेवा समिति के अध्यक्ष ओम बड़ोलिया के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया उनके

सराहनीय कार्य की अनुमोदना की।

ओम बड़ोलिया ने बताया कि जितेन्द्र झा की साईकिल पर एक साइन बोर्ड लगा हुआ था। जिस पर अखंड भारत एक यात्रा मनुष्य और प्रकृति के बीच टूटते हुये रिश्तों को जोड़ने लिए स्लोगन लिखा हुआ है। इस सम्बध मे जितेन्द्र झां ने जानकारी देते हुये हमें बताया की वह मनुष्य और प्रकृति के बीच टूटते हुये रिश्तों को जोड़ने के लिए, बेजुबानों को बचाकर पर्यावरण को संरक्षित करने का संकल्प लिया है। इसी उद्देश्य से हमनें 29 फरवरी 2024 को ग्वालियर से साईकिल यात्रा की शुरुआत की थी। और यात्रा के माध्यम से भारत भ्रमण कर आमजन मानस को जीव जन्तु व पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए जागरूकता का संदेश दे रहे है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश के ग्वालियर से निकलने के बाद वह मध्यप्रदेश व उत्तरप्रदेश के विभिन्न स्थलों का साइकिल से भ्रमण कर चुके है। इस भारत भ्रमण पर उनका उद्देश्य यह भी है कि जो पशु प्रेमी जीवों के संरक्षित रखने व उनके भलाई के लिये कार्य कर रहे है उनको शासन स्तर पर पूरा सम्मान मिले तथा उनको शासन भत्ता भी प्रदान करे। इस अवसर पर ओम बड़ोलिया सहित पार्षद प्रतिनिधि शैलेन्द्रगिरी गोस्वामी, सर्पमित्र सरफराज खां मल्हारगढ़, सर्प मित्र कमलदास बैरागी मंदसौर, सर्प मित्र अर्जुन सोनी मानपुर, बिजेन्द्र झा मंदसौर ने श्री जितेन्द्र झां को पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया।

बाछड़ा समुदाय की अधिकाधिक बालिकाओं को पुलिस, सेना एवं पैरामिलिट्री फोर्स की चयन परीक्षा एवं फिजीकल तैयारी का नि:शुल्क प्रशिक्षण दिलवाए-चंद्रा

नीमच, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। बाछड़ा बाहुल्य ग्रामों के पंचायत सचिव अपने क्षेत्र की अधिकाधिक बालिकाओं को सशक्तु वाहिनी योजना के तहत नीमच में संचालित पुलिस, सेना, पैरामिलीट्री फोर्स की परीक्षाओं की तैयारी एवं फिजिकल की तैयारी के लिए प्रेरित कर, प्रशिक्षण दिलवाए। साथ ही स्वरोजगार योजनाओं में पात्र पांच-पांच हितग्राहियों का चयन कर एक माह में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित स्वरोजगार योजनाओं में हितलाभ दिलवाना सुनिश्चित करें। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में बाछड़ा समुदाय के कल्याण के लिए संचालित पंख अभियान नीमच की प्रगति की मासिक समीक्षा करते हुए दिए।

बैठक में बाछड़ा बाहुल्य सभी ग्रामों के पंचायत सचिव, सभी जिला नोडल अधिकारी, जिला अधिकारी सहित जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, संयुक्त कलेक्टर डॉ.ममता खेड़े, डिप्टी कलेक्टर सुश्री मयूरी जोक, सुश्री किरण आंजना भी उपस्थित थी। बैठक में कलेक्टर ने संत रविदास स्वरोजगार योजना के तहत बाछड़ा समुदाय के अधिकाधिक हितग्राहियों को सेंट्रींग कार्य, पशुपालन, बकरीपालन, सिलाई, ब्यूटी पार्लर, मसाला उद्योग आदि के लिए हितग्राहियों का चयन कर न्यूनतम पांच-पांच हितग्राहियों के प्रकरण तैयार करवाकर एक माह में ऋण स्वीकृति एवं हितलाभ वितरण करवाने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री सूक्ष्मा खाद्य उन्नयन योजना के तहत एक माह में चार हितग्राहियों को ऋण एवं अनुदान स्वीकृत करवाकर हितलाभ् वितरित करवाने के निर्देश उप संचालक उद्यानिकी को दिए। उन्होने महाप्रबंधक उद्योग को बाछड़ा समुदाय के इच्छुक युवाओं को जिले में स्थापित विभिन्न उद्योगो में रोजगार दिलाने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर श्री चंद्रा ने इन सभी 26 गांवों के पंचायत सचिवों को बाछड़ा बाहुल्यं बस्तियों में सड़क, नाली निर्माण सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं के प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए। बैठक में बताया गया, कि जिला प्रशासन द्वारा सशक्त वाहिनी योजना के तहत नीमच के जाजू कॉलेज में पुलिस, सेना, पैरामिलीट्री फोर्स की लिखित चयन परीक्षा एवं फिजीकल की तैयारी के लिए नि:शुल्क कक्षाएं संचालित की जा रही है। कलेक्टर ने पंचायत सचिवों को निर्देश दिए, कि वे अपने क्षेत्र की बाछड़ा समुदाय की बालिकाओं को इस नि:शुल्क प्रशिक्षण के लिए प्रेरित करे, उन्हें प्रशिक्षण दिलवाएं।

सभी प्राचार्य, बोर्ड परीक्षाओं में विद्यालय का शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम सुनिश्चित करें-कलेक्टर

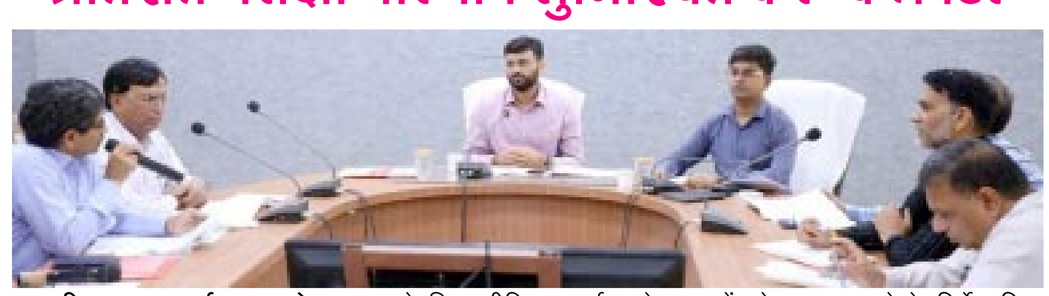

नीमच, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सभी हाई स्कूल, हायर सेकेण्ड्री विद्यालयों के प्राचार्य अकादमिक प्लान तैयार कर उसके अनुरूप अध्यापन कार्य करवाएं। बोर्ड परीक्षाओं में सभी विद्यार्थी सभी विषयों में 85 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करें। प्रतिमाह मासिक टेस्ट, लिया जाए और मासिक टेस्ट के आधार पर विद्यार्थियों के परिणाम सुधार पर विशेष ध्यान दे। यहस निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने सोमवार को जिला पंचायत सभाकक्ष नीमच में शिक्षा विभाग, जिला शिक्षा केंद्र तथा सभी हाई स्कूल, हायर सेकेण्ड्रीं के प्राचार्यो बी.ई.ओ. एवं बी.आर.सी.की बैठक में विभागीय योजनाओं की समीक्षा, वर्ष 2024-25 के बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों की प्रगति की समीक्षा एवं वर्ष 2025 में परीक्षा परिणाम को ओर बेहतर बनाने की रणनीति पर चर्चा करते हुए दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, डीईओ श्री एस.एम.मांगरिया, डी.पी.सी.श्री दिलीप व्यास भी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर श्री चंद्रा ने बोर्ड परीक्षाओं में जिले का परीक्षा परिणाम उत्कृष्टरहने पर सभी को बधाई देते हुए वर्ष 2025-26 में शतप्रतिशत परीक्षा परिणाम का लक्ष्य हासिल करने और सभी विद्यार्थियों का परिणाम 85 प्रतिशत से उ्रपर रखने का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने सभी प्राचार्यो को मासिक टेस्ट लेने और टेस्ट के परिणामों का विशलेषण कर, 75 प्रतिशत से कम अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों को चिन्हित कर, उनकी कठिनाईयों को दूर कर शैक्षणिक स्तर में ओर सुधार लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने ड्राप आउट सभी बच्चों को 31 जुलाई तक शाला में दाखिला दिलाने के निर्देश दिए। उन्होने कहा, कि शाला जाने योग्य एक की बच्चा1 स्कूल में दाखिले से वंचित ना रहे। कलेक्टर श्री चंद्रा ने जिन विद्यालयों का बोर्ड परीक्षा परिणाम 2024-25 में संतोषजनक नहीं रहा है, उन प्राचार्यो को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी को दिए। साथ ही जिन विद्यालयों में बोर्ड परीक्षा परिणाम पिछले वर्षो की तुलना में बेहतर रहा है। उन्हें सूचीबद्ध कर, प्रशस्ति पत्र प्रदान करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने सभी प्राचार्यो को 25 जुलाई तक छात्रवृत्ति के लंबित प्रकरणों का अनिवार्य रूप से निराकरण करने के निर्देश भी दिए।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	36	2012	2396
उडद	16	4000	5800
सोयाबीन	7580	3511	4351
गैहु	6957	2500	2911
चना	215	5720	6050
मसुर	141	5501	7199
धनिया	188	6151	7830
लहसुन	16500	2000	9100
मैथी	664	3000	6000
मुंगफली	809	4000	5140
अलसी	1171	6621	7401
सरसो	647	6599	7232
तारामीरा	0000	0000	0000
इसबगोल	112	8600	11400
प्याज	3500	440	1300
कलोंजी	28	13000	20301
तुलसी बीज	15	10900	13980
डॉलर	15	7035	7901
तिल्ली	275	5000	9100
जौ	15	2000	2311
मटरसुखी	1	3951	3951
असालीया	69	5000	6551
चियाबीज	25	13001	18600

बंशी गुर्जर फर्जी एनकाउंटर : टीआई मंगल सिंह पपोला सस्पेंड

मंदसौर, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। ग्वालियर के झांसी रोड थाना में पदस्थ रहते हुए अवकाश पर चल रहे टीआई मंगलसिंह पपोला 04 महीने बाद भी वापस नहीं लौटे हैं। इसके बाद शनिवार रात को एसएसपी ग्वालियर धर्मवीरसिंह ने टीआई मंगलसिंह को सस्पेंड कर दिया है। टीआई पर वर्ष 2009 में नीमच जिले के रामपुरा बेसला घाट पर हुए फर्जी एनकाउंटर में शामिल होने का आरोप है।

जिले के रामपुरा बेसला घाट पर 16 साल पहले आरक्षक (सस्पेंड टीआई) रहते एनकाउंटर में एक तस्कर को मार गिराया था। बताया जाता है कि इस प्रकरण में मंगलसिंह को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन भी मिला था। जिस तस्कर को एनकाउंटर करना बताया गया था, घटना के 03 साल बाद ही वह जिंदा मिला था। तभी से मामले की जांच चल रही थी। पहले सीआईडी और बाद में यह प्रकरण सीबीआई को सौंप दिया गया था। अप्रेल 2025 में सीबीआई ने टीआई खिलाफ वारंट जारी किया था। इस पर वह अवकाश लेकर चले गए थे। इसके बाद फिर थाने पर आमद नहीं दी। 04 महीने तक अवकाश से लौटकर नहीं आने पर एसएसपी ने टीआई को सस्पेंड कर दिया है।

नीमच में 16 साल पहले हुए एक कथित फर्जी एनकाउंटर मामले में सीबीआई ने ग्वालियर के झांसी रोड थाने के टीआई मंगलसिंह पपोला के खिलाफ वारंट जारी किया है। वर्ष 2009 में पुलिस ने दावा किया था कि उन्होंने 7 और 8 फरवरी 2009 की रात मादक पदार्थ तस्कर बंशी गुर्जर को एनकाउंटर में मार गिराया है। तीन साल बाद एनकाउंटर में मृत बताया गया तस्कर बंशी गुर्जर वर्ष 2012 में जिंदा लौट आया था। बंशी गुर्जर के लौट आने के बाद स्पष्ट हो गया है कि पुलिस ने फर्जी एनकाउंटर किया था। इसमें पुलिस द्वारा मारा गया कोई अन्य व्यक्ति था। आश्चर्य की बात यह है जिस व्यक्ति को पुलिस ने फर्जी एनकाउंटर में मारा था, उसके बारे में आज तक पता नहीं चला है।

टीआई ने जहर खाया, हालत गंभीर

पारिवारिक कारणों से खुदकुशी की कोशिश

भोपाल, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। निशातपुरा थाना प्रभारी रूपेश दुबे ने खुदकुशी की कोशिश की है। रविवार रात को उन्होंने कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खा लिया। उनकी पत्नी उन्हें लेकर नेशनल अस्पताल पहुंची। जहां उनका इलाज किया जा रहा है। डॉक्टरों के मुताबिक उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। उन्हें आईसीयू में रखा गया है। इस घटना के पीछे पारिवारिक तनाव को वजह बताया जा रहा है।

टीआई रूपेश दुबे के जहर खाने की सूचना मिलने पर कई पुलिस अधिकारी रात में ही अस्पताल पहुंच गए। जानकारी के अनुसार, टीआई रूपेश दुबे कोलार इलाके में अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रहते हैं। इसके अलावा उन्होंने निशातपुरा थाने के पास भी एक मकान किराए से लिया हुआ है। रविवार रात इसी मकान में उन्होंने जहरीला पदार्थ खाया। बताया जा रहा है कि टीआई रूपेश दुबे की पत्नी से फोन पर बहस चल रही थी और उसी दौरान उन्होंने जहर खा लिया। जहर खाने की बात उन्होंने पत्नी को बताई। जिसके बाद पत्नी मौके पर पहुंचीं और स्टाफ की मदद से उन्हें अस्पताल लाया गया। बताया जा रहा है कि टीआई और उनकी पत्नी के बीच पिछले कुछ समय से आपसी मतभेद और तनाव चल रहा था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इन्हीं पारिवारिक कारणों के चलते उन्होंने यह आत्मघाती कदम उठाया।

जन-धन खाताधारकों के साथ छलावा..!

दुर्घटना में मौत पर मिलेंगे 02 लाख रुपए, बैंकों ने छिपाई इतनी बड़ी बात

मंदसौर, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। हर जन का धन सुरक्षित करने और उन्हें सुरक्षा घेरे में लाने के लिए 11 साल पहले शुरू हुई प्रधानमंत्री जन-धन योजना का दम घुट रहा है। बैंकों की लापरवाही से लोगों को दुर्घटना बीमा की राशि नहीं मिल रही। 28 अगस्त 2014 को सरकार के आह्वान पर करोड़ों लोगों ने बैंकों में जन-धन खाते खुलवाए। योजना के तहत खाताधारकों का उस समय एक लाख रुपए दुर्घटना बीमा तय था। सरकार ने इस कवच को और मजबूत किया।

बैंक ने इसकी जानकारी ही नहीं दी– 28 अगस्त 2018 से खुले खातों पर दुर्घटना बीमा की राशि बढ़ाकर दो लाख कर दी। लेकिन बैंकों की लापरवाही ऐसी रही कि तीन वित्तीय वर्षों में हादसों में जान गंवाने वाले कई खाताधारकों को बीमा की राशि नहीं मिली। खास बात यह है कि बैंकों ने खाताधारकों को इस बीमा के बारे में जानकारी ही नहीं दी। उन्हें खाता ऑपरेट करने के तरीके नहीं बताए।

मप्र शिक्षक संघ का गुरूवंदन सम्पन्न

मंदसौर, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ से सम्बद्ध मध्यप्रदेश शिक्षक संघ नगर इकाई मंदसौर द्वारा गुरुवन्दन कार्यक्रम डाइट मंदसौर में आयोजित किया गया गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व बडे ही श्रद्धा और उत्साह के साथ गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम संगठन गीत के साथ प्रारंभ होकर माँ भारती, माँ सरस्वती और महर्षि वेदव्यास जी की वैदिक मंत्रोचारण और दीप प्रज्वलन कर सरस्वती वंदना श्रीमती मुन्नी दर्डिंग की प्रस्तुति के साथ गतिमान हुआ।

मुख्य वक्ता श्री प्रमोद सेठिया व्याख्याता एवम् विद्वत परिषद के जिला संयोजक साथ ही प्रांत विज्ञान भारती के सह सचिव ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु या शिक्षक को हमेशा भगवान के समान स्थान दिया गया है। गुरु की महत्ता इस बात से भी समझ सकते हैं कि हमारे देश में आषाढ माह की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा के नाम से समर्पित किया गया है, इस दिन महाभारत के रचयिता महर्षि वेदव्यासजी का जन्म हुआ था ,इसलिए इस पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। गुरु में सर्वप्रथम माता-पिता आचार्य ,आचार्य में उपाध्याय, प्रवक्ता, अध्यापक, श्रोत्रीय, ऋत्विक, चरक ऋषि और कुलपति यह सभी गुरु की श्रेणी में आते हैं। गुरु गु यानी अंधकार रु यानी प्रकाश अर्थात जो हमें अंधकार से निकालकर ज्ञान रूपी उजाले में लाता है। गुरु बांध है परमात्मा और संसार के बीच, शिष्य और भगवान के बीच , मंजिल तक पहुंचने के लिए मार्ग का होना जरूरी है ,बिना मार्ग के यात्रा असंभव है इसलिए मंजिल से ज्यादा मार्ग का महत्व अधिक होता है । मार्ग मात्र है जो न केवल मंजिल तक पहुंचने में मदद करता है, बल्कि मंजिल से पहले पडता है। और पहले पडने के कारण इसका स्थान भी मंजिल से उंचा और पहले होना चाहिए ।गुरु अपने वाणी द्वारा भगवान का संदेश लाता है ।गुरु के शब्दों के माध्यम से भगवान शिष्य तक और शिष्य भगवान तक पहुंचता है, गुरु का बखान व उसका जीवन में योगदान अकथनीय है , उनका ज्ञान असीम व अनमोल है। गुरु की महिमा अनंत है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि गुरु के बिना जीवन अधूरा हैं,गुरु अपने ज्ञान और अनुभव से गुरु बनता है, तो शिष्य अपने समर्पण एवं सीखने के भाव से शिष्य बनता है । जीवन में सच्चे गुरु का मिल जाना ही वस्तुतः सच्ची प्राप्ति है । गुरु माली है और शिष्य वृक्ष । गुरु भी धरती की तरह है जिसकी भूमि पर अनेकों फल फूल और वृक्ष लगते हैं। इसलिए गुरु में इतना आकर्षण है, गुरु में इतनी शक्ति है, गुरु धरती की तरह सहना जानता है। तो पैदा करना भी जानता है । गुरु जीवन का सार है ,अच्छा गुरु अच्छे शिष्यों का निर्माण करता है । भारतवर्ष में अनेक गुरुओं ने अपनी एक विशिष्ट पहचान स्थापित की है ।

मुख्य अतिथि श्री दिलीप सिंह राठौर डाइट प्राचार्य आपने कहा की राष्ट्र के निर्माण में गुरुओं का सबसे अधिक योगदान है, हमारा देश की जनसंख्या 140 करोड है, जो एक बहुत बडा लोकतांत्रिक देश होकर देश की छवि संसार के सभी राष्ट्रों में आज की अर्थव्यवस्था में हमारा देश चौथे नंबर के इकोनामी स्थापित की हैद्य यह सभी गुरुओं की शिक्षा के बल पर ही संभव है द्य हमारे देश की आर्थिक प्रगति, आर्थिक उन्नति शिक्षा के कारण ही संभव हो सकी है। अतिशीघ्र ही हमारा देश दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरेगा। हमारा पूरा देश एक परिवार की तरह कार्य कर रहा है, हमारा संगठन इस देश के समस्त गुरुओं को इस गुरु पूर्णिमा के अवसर पर याद करके, गुरुओं का सम्मान करके, एक बहुत बडा सहयोग प्रदान कर रहा है। हमारे देश में गुरुओं के सम्मान की परंपरा सदियों से चली आ रही है, अच्छे गुरु अच्छे शिष्यों का निर्माण करते हैं द्य हमारे देश के प्रधानमंत्री देश की प्रगति में दिन प्रतिदिन अकल्पनीय कार्य कर देश को प्रगति की ओर बढ़ने में अपना सर्वस्व न्योछावर करने को तैयार है, यह सभी उपलब्धि देश के गुरुओं के द्वारा दी गई शिक्षा के आधार पर ही संभव है, आज के दिन गुरुओं का सम्मान देना, गुरुओं की आज्ञा का पालन करना, और गुरुओं के मार्गदर्शन में निरंतर आगे बढ़ना आज की पीढ़ी का सर्वप्रथम धर्म है।विशेष अतिथि श्री शंकरलाल आंजना संभागीय अध्यक्ष संभाग उज्जैन आपने बताया की मध्यप्रदेश शिक्षक संघ का ध्येय राष्ट्रहित, शिक्षा हित, छात्र हित और शिक्षक हित है इसी प्रकार अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ का ध्येय वाक्य है राष्ट्र के हित में शिक्षा, शिक्षा के हित में शिक्षक और शिक्षक के हित में समाज।

साक्षरता के संशोधित मानदंड को लेकर सांसद गुप्ता ने लोकसभा में किया प्रश्न

मंदसौर, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सांसद सुधीर गुप्ता ने साक्षरता में संशोधन के मापदंड में सुधार को लेकर लोकसभा में प्रश्न किया उन्होंने कहा कि सरकार ने देश में साक्षरता के मानदंडों में संशोधन किया है। इसके क्या कारण है। सरकार ने वर्ष 2030 तक देश में पूर्ण साक्षरता दर प्राप्त करने का कोई लक्ष्य निर्धारित किया है और पूर्ण साक्षरता प्राप्त करने के लिए राज्य सरकारों, विशेषकर कम साक्षरता दर वाले राज्यों के साथ कोई विचार–विमर्श किया है। इस संबंध में राज्य सरकार की क्या प्रतिक्रिया है। उन्होंने कहा कि देश में साक्षरता दर में पिछड़ रहे राज्यों के लिए कोई विशेष योजना बनाई है ।

प्रश्न के जवाब में शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री जयन्त चौधरी ने बताया कि भारत सरकार द्वारा केंद्र प्रायोजित योजना राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप उल्लास भारत साक्षरता कार्यक्रम कार्यान्वित की जा रही है। इस योजना का उद्देश्य देश भर के निरक्षरों में साक्षरता को प्रोत्साहित करने में सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों की सहायता करना है और यह 15 वर्ष से अधिक आयु के उन सभी लोगों को लक्षित करती है जो औपचारिक शिक्षा से वंचित रह गए हैं। भारत सरकार ने प्रगति का मूल्यांकन करने, सर्वोत्तम पद्धतियों को साझा करने और प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों की कार्यान्वयन कार्यनीतियों को सुदृढ करने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ लिखित संवाद, क्षेत्रीय सम्मेलनों, वीडियो कॉन्फ्रेंस,

क्षेत्रीय कार्यशालाओं और समीक्षा बैठकों के माध्यम से निरंतर सहयोग किया है। 35 राज्य/संघ राज्य क्षेत्र उल्लास को कार्यान्वित कर रहे हैं और अब तक 1.7 करोड़ शिक्षार्थी बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान मूल्यांकन परीक्षा (एफएलएनएटी) में शामिल हो चुके हैं। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत चार राज्य/संघ राज्य क्षेत्र, अर्थात् लद्दाख, मिजोरम, गोवा और त्रिपुरा, पूर्णत: साक्षर हो गए हैं। इसी के साथ ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के पैरा 21.4 में प्रौढ़ शिक्षा और आजीवन अधिगम का उल्लेख है, जिसमें कहा गया है कि: 'समुदाय की भागीदारी और प्रौद्योगिकी के सुचारू और लाभकारी एकीकरण को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रौढ़ शिक्षा के लिए सुदृढ एवं नवाचारी सरकारी पहलों को जल्द से जल्द लागू किया जाएगा ताकि 100 प्रतिशत साक्षरता के सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्यों की प्राप्ति शीघ्र हो सके।

भाजपा दक्षिण मंडल ने रामघाट पर महादेव मंदिर की साफ-सफाई कर किया अभिषेक

मंदसौर, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल एवं भाजपा जिला अध्यक्षा राजेश दीक्षित के निर्देश अनुसार भारतीय जनता पार्टी दक्षिण मंडल द्वारा सावन मास के द्वितीय सोमवार पर रामेश्वर महादेव रामघाट पर महादेव मंदिर की साफ सफाई कर, रामेश्वर महादेव का अभिषेक किया गया, तत्पश्वात मंदिर परिसर में एक पेड़ मां के नाम के तहत वृक्षारोपण किया गया जिसमें प्रदेश प्रवक्ता यशपाल सिंह सिसोदिया, दक्षिण मंडल अध्यक्ष विनोद डगवार मंडल महामंत्री अमन फरकिया,धर्मेंद्र जटिया, मंडल उपाध्यक्ष नरेंद्र पंवार, नितिन ब्रिजवानी, बलवंत सिंह शक्तावत नटवर वर्मा अनूप महेश्वरी विपिन भादविया, चुन्नीलाल भोई, राजेश बाड़ोलिया, नपा सभापति दीपमाला रामेश्वर मकवाना, पार्षद विनय दुबेला, कमलेश सिसोदिया, जयप्रकाश पमनानी सहित समाजजन, पार्टी पदाधिकारीगण एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। यह जानकारी मीडिया प्रभारी पं. नितिन शर्मा ने दी।

सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में नीमच जिला प्रदेश के प्रथम चार जिलों में शामिल

नीमच, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। सी एम हेल्पलाईन पोर्टल्स पर प्राप्त शिकायतो के निराकरण की माह जून 25 की ग्रेडिंग में कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में नीमच जिला लगातार आठवी बार ए ग्रेड के साथ, प्रदेश के टॉप चार जिलों में शामिल हुआ है। जिला प्रबंधक श्री आशीष जैन ने बताया कि माह जून 25 में 3522 प्राप्त शिकायतो में से संतुष्टि के साथ बंद शिकायतों का वेटेज (60%) में से 51.43 % एवम 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों का वेटेज (20%) में से 14.74 % कुल वेटेज 85.88 % के साथ नीमच जिले को अ रेटिंग प्राप्त हुई। प्रदेश के 55 जिलों में चौथा स्थान एवम समूह इ के 27 जिलों में तीसरा स्थान।

उल्लेखनीय की कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में जिले में सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण के लिए प्रभारी अधिकारी डिप्टी कलेक्टर किरन आंजना द्वारा माह में समस्त विभागों की शिकायतों के निराकरण हेतु सतत मोनिटरिंग की गई एवम उनके निराकरण हेतु निर्देशित किया गया साथ ही शिकायतकर्ता को भी अवगत करवाया फलस्वरुप आवेदकों द्वारा शिकायतों को संतुष्टि के साथ बंद करवाया गया है इसी का परिणाम है कि नीमच जिला सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण मैं प्रदेश में दूसरा स्थान हासिल कर पाया है। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने इस उपलब्धि का श्रेय नीमच जिले के सभी जिला अधिकारियों एवं उनकी टीम तथा सभी अधिकारी कर्मचारियों को दिया है।

प्रेक्षक बंसल ने मतदान सामग्री वितरण केन्द्र पर सामग्री वितरण का अवलोकन किया

मंदसौर, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग, भोपाल द्वारा जिला मंदसौर के जनपद पंचायत सीतामऊ के निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 23 के निर्वाचन सम्पन्न कराने हेतु नियुक्त प्रेक्षक श्री श्याम सुंदर बंसल ने प्रात: 9.00 बजे सीतामऊजनपद पंचायत ऑफिस में मतदान सामग्री वितरण केन्द्र पर सामग्री वितरण का अवलोकन किया। सामग्री वितरण के पश्चात मतदान केंद्रों का भ्रमण किया और चुनाव व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान प्रेक्षक ने मतदान केंद्रों की आवश्यक व्यवस्था को देखा। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि मतदान केंद्रों पर मतदाताओं को सभी तरह की आधारभूत सुविधा मिले। मतदान केंद्र पर पीने का पानी, छांव इत्यादि सुविधाओं को देखा। मतदान केंद्र पर लाइट की व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे एवं अन्य सभी तैयारियों का जायजा लिया। जनपद पंचायत सीतामऊके निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 23 से सदस्य पद हेतु उम्मीदवारों के चयन हेतु मतदान होगा।

रेडक्रॉस सोसायटी प्रबंध समिति का निर्वाचन 25 अगस्त को प्रस्तावित

मंदसौर, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी सचिव श्री शुभम पाटीदार ने बताया कि भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा मंदसौर की प्रबंध समिति का निर्वाचन 25 अगस्त 2025 को प्रस्तावित है। इस हेतु मतदाता सूचि का प्रारंभिक प्रकाशन किया जा रहा है। भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा मंदसौर के आजीवन सदस्य कार्यालीन समय प्रात: 10 बजे से सांय काल 6 बजे तक रेडक्रॉस कार्यालय एवं कलेक्टर कार्यालय में चस्पा की गयी सूचि का अवलोकन कर 31 जुलाई 2025 दोपहर 3 बजे तक अपने दावे, आपत्ति रेडक्रॉस कार्यालय को प्रस्तुत करें।

आदिवासी वर्ग के बेरोजगार युवा स्वरोजगार स्थापित करने हेतु आनलाईन आवेदन करें

मंदसौर, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जनजातीय कार्य विभाग जिला संयोजक श्रीमती अंगुरबाला भगोरा द्वारा बताया गया कि जिले के आदिवासी वर्ग के 18 से 45 वर्ष की आयु वर्ग के बेरोजगार युवक- युवतियों को भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत 1 लाख रूपये से 50 लाख रूपये तक सेवा/व्यवसाय हेतु ऋण बैकों के माध्यम से वितरीत किये जायेगें। जिस पर 5 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज अनुदान दिया जायेगा। योजनांतर्गत जाति प्रमाण, मूल निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, मतदाता परिचय पत्र, पेन कार्ड शैक्षणिक योग्यता आठवी उत्तीर्ण, दो पासपोर्ट फोटो, समस्त दस्तावेज होना आवश्यक होगा। हितग्राही किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक, वित्तीय संस्था/सहकारी योजना बैंक का चूककर्ता/अशोधी नहीं होना चाहिए।

जिले के आदिवासी वर्ग के 18 से 55 वर्ष की आयु वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों को टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के अंतर्गत 1 लाख रूपये तक के ऋण बैकों केमाध्यम से वितरीत किये जायेगें। जिस पर 7 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से ब्याज अनुदान दिया जायेगा। परियोजना हेतु योजनांतर्गत रोजगार उपलब्ध कराने के लिए ऋण हेतु आवेदन-पत्र आंमत्रित किए गए योजनांतर्गत लगने वाले सहपत्र जाति- प्रमाण पत्र, मूल निवासी प्रमाण पत्र, आधार कार्ड,मतदाता परिचय पत्र गरीबी रेखा केनीचे हेतु खाद्य सुरक्षा प्रमाण, शैक्षणिक योग्यता आठवी उत्तीर्ण, दो पासपोर्ट साईज फोटो। समस्त दस्तावेज आवश्यक होंगे। हितग्राही किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक, वित्तीय संस्था/सहकारी योजना बैंक का चूककर्ता/अशोधी नहीं होना चाहिए। योजना में समस्त पोर्टल म.प्र. आनलाईन के माध्यम से आवेदन-पत्र भरे जाकर आवेदन पत्र की एक प्रति जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग की मंदसौर रूम नं. 312 सुशासन भवन मंदसौर में जमा करें।अधिक जानकारी के लिए जनजातीय कार्य विभाग मंदसौर में संपर्क करें।

सहस्त्र मुखेश्वर महादेव मंदिर पर जलाभिषेक किया

कुकड़ेश्वर, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। आज वनवासी कल्याण परिषद जिला नीमच द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी भगवान वराह जी से सहस्त्र मुखेश्वर महादेव मंदिर कुकडेश्वर जलाभिषेक किया गया, रास्ते में जगह जगह पुष्प वर्षा से कौड़ियों का स्वागत फल वितरण, चाय,पानी की व्यवस्था की गई,अरावली

गोशाला हनुमान मंदिर पर मनासा विधायक अनिरुद्ध माधव मारू और भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांवड़ियों पर पुष्प वर्षा कर फल वितरण कर स्वागत किया, सभी कांवड़ियों ने कुकडेश्वर नगर भ्रमण कर भगवान सहस्र मुखेश्वर का जलाभिषेक किया, कावड़ यात्रा में प्रांतीय धर्म जागरण प्रमुख मनीराम जी, सह प्रमुख गणपत जी मुनिया, जिला अध्यक्ष प्रभुलाल जी चारण, उपाध्यक्ष सालग्राम जी दायना, जिला संगठन मंत्री पुरुषोत्तम जी शर्मा, जिला सचिव राजेश कुमार वर्मा, बाबूलाल जी तावड़ सैकड़ो की संख्या में वनवासी समाज के महिलाओं, यूवाओ, पुरुषों ने भाग लेकर कावड़ यात्रा को सफल बनाया।

नेपाली रुद्राक्ष का नि:शुल्क वितरण 24 को

मनासा, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। अरावली पर्वत की श्रृंखला में बसे भगवान चारभुजा नाथ की नगरी कंजार्डा में पहली बार नेपाली रुद्राक्ष का नि:शुल्क वितरण 24 जुलाई गुरुवार को चुंडावत परिवार पलासिया द्वारा अपने पूज्य श्री स्व.नाथूसिंह चुंडावत पलासिया की स्मृति में किया जारहा है। उक्त कार्यक्रम की जानकारी देते हुवे चुंडावत परिवार के जुझार सिंह पलासिया ने बताया की हमारे परिवार के मुखिया स्व. नाथुसिंह जी चुण्डावत की स्मृति में चारभुजा

नाथ मंदिर कंजार्डा पर पहली बार नि:शुल्क नेपाली रुद्राक्ष वितरण का भव्य आयोजन किया जा रहा हे जिसके अंतर्गत कल 23 जुलाई बुधवार को प्रात: भव्य कलश यात्रा चारभुजा मंदिर से निकलेगी। 24 जुलाई गुरुवार को प्रात: बेला में चारभुजा मंदिर में भगवान का रुद्राभिषेक के साथ शिवचालीसा पाठ के बाद प्रात: 6 बजे से शाम 7 बजे तक नेपाली रुद्राक्ष का नि:शुल्क वितरण चारभुजा मंदिर परिसर में होगा। पलासिया परिवार के अनुपसिह चुंडावत ने क्षेत्र की धार्मिक जनता से नि:शुल्क नेपाली रुद्राक्ष प्राप्त कर पुण्य लाभ लेने की अपील की है।

स्टॉप डायरिया सह दस्तक अभियान का शुभारंभ आज

मंदसौर, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गोविंद सिंह चौहान ने बताया कि, मंदसौर जिले में 22 जुलाई 2025 से 16 सितंबर 2025 तक 'स्टॉप डायरिया सह दस्तक अभियान' चलाया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में होने वाली बीमारियों की पहचान और उनका समय पर उपचार करना है।

इस अभियान के तहत जिले में 1 लाख 51 हजार 570 बच्चों की स्क्रीनिंग की जाएगी। इसमें ब्लॉक-वार लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं: भानपुरा में 17,108, गरोठ में 29,516, मल्हारगढ़ में 23,059, मंदसौर ग्रामीण में 33,853, सीतामऊमें 31,458, और मंदसौर शहरी क्षेत्र में 16,575 बच्चों की स्क्रीनिंग की जाएगी। अभियान के सफल संचालन के लिए जिले में 232 दल गठित किए गए हैं, जिनका प्रशिक्षण जिला स्तर पर पूर्ण हो चुका है। अभियान के पहले दिन आंगनवाड़ी केंद्रों पर दस्तक अभियान की गतिविधियां संचालित की जाएंगी। जो बच्चे किसी कारणवश आंगनवाड़ी केंद्र पर उपस्थित नहीं हो पाएंगे, दूसरे दिन उनके घर जाकर अभियान के अंतर्गत दी जाने वाली सेवाएं प्रदान की जाएंगी। इस अभियान के दौरान बच्चों में गंभीर कुपोषण, एनीमिया, निमोनिया, डिहाइड्रेशन (निर्जलीकरण) और संक्रमण की पहचान की जाएगी। साथ ही, उन्हें तुरंत उपचार और आवश्यकतानुसार रेफरल की सुविधा प्रदान की जाएगी। बच्चों को विटामिन ए की खुराक भी पिलाई जाएगी और ओआरएस के पैकेट व जिंक टैबलेट का वितरण भी किया जाएगा। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. सुरेश सोलंकी ने बताया कि जिला स्तर पर दस्तक अभियान का शुभारंभ जिला चिकित्सालय मंदसौर में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रामादेवी गुर्जर द्वारा किया जाएगा।

जपं की साधारण सभा की बैठक 25 को

नीमच, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। जनपद पंचायत नीमच की साधारण सभा की बैठक 25 जुलाई 2025 को दोपहर 12.30 बजे जनपद सभा भवन, (बी.आर.सी.) नीमच में जनपद अध्यक्ष श्रीमती शारदा मदनलाल धनगर की अध्याक्षता में आयोजित की जावेगी। बैठक में सभी विकासखण्डी स्तुरीय विभागों की समीक्षा की जावेगी। जनपद सीईओ श्री आरीफ खान ने जनपद पंचायत के सभी सदस्यों से बैठक में उपस्थित होने का आगृह किया है।

जरूरतमंद बच्चों के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, 24×7 घंटे सक्रिय

मंदसौर, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। महिला बाल विकास अधिकारी ने बताया कि चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 नंबर देश के लाखों बच्चों के लिए उम्मीद की किरण है। यह जरूरतमंद बच्चों के लिए 365 दिन 24 घंटे मुफ्त आपातकालीन सेवा है। भारत सरकार ने चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 के भलिभांति क्रियान्वयन एवं बच्चों के सर्वोत्तम हित के लिए जन जागरूकता हेतु नए लोगों का प्रचार प्रसार करने एवं कार्यालय कार्यों में उक्त लोगों का ही उपयोग करने के निर्देश दिए। मंदसौर जिले में चाईल्ड हेल्प लाइन वन स्टाफ सेंटर में संचालित किया जा रहा है।

शिव पुराण के श्लोक श्रवण करने से पापों की मुक्ति होती है-साध्वीं सत्यासिद्धा गिरी

नीमच, 21 जुलाई गुरु एक्सप्रेस। शिव महापुराण का उदय हो गया तो कलयुग का प्रभाव मिट जाएगा। सभी पुराणों में शिव पुराण श्रेष्ठ है। चतुर्दशी पर उपवास कर शिव पुराण के पाठ का वाचन करें तो पुण्य फल मिलता है। पवित्र भाव से भक्ति करे तो भोले जल्दी प्रसन्न होते हैं।

शिव पुराण के श्लोक श्रवण करने से पापों से मुक्ति मिलती है। यह बात परम पूज्य दीदी मां ऋतंभरा जी की शिष्या पूज्य आचार्य सुश्री साध्वी सत्या सिद्धा गिरी जी महाराज साहब ने कहीं।वेओम शिव भक्त मंडल , अग्रवाल विकास समिति एवं अन्नपूर्णा सेवा न्यास नीमच के संयुक्त तत्वाधान में क्षेत्र की सुख समृद्धि एवं व विश्व शांति की कामना से गोमाबाई रोड स्थित सीएसवी अग्रोहा भवन में आयोजित सात दिवसीय शिव महापुराण कथा एवं रुद्राभिषेक कार्यक्रम में बोल रही थी। उन्होंने कहा कि सद्गुरु जीवन जीने की कला सिखाते हैं। रुद्राभिषेक कथा में जीवन का कल्याण होता है ।भोले की कृपा से दुर्भाग्य मिटता है और दुर्भाग्य सौभाग्य में बदलता है। जीवन में भक्ति आती है तो प्रतिकूलता भी अनुकूलता लगने लगती है। देश की रक्षा के लिए सेना में अपने पुत्रों को भी सेवा के लिए भेजना चाहिए। भाग्यशाली होती है वह मां जिसका बेटा सेना में सेवा करता है। कथा को मनोरंजन का साधन नहीं बनना चाहिए। लोग कथा में भी संगीत को सुनना चाहते हैं। ज्ञान कोई सुनना नहीं चाहता है। भगवान की कथा सुनते हैं। सत्संग अपने आप हो जाता है।और संकीर्तन दृढ़ हो जाएगा। भोलेनाथ दयालु हैं। पत्नी द्वारा धर्म का पालन करने से पति की प्रगति होती है। भक्ति जीवन में होती है तो दूसरों के सामने झुकना सीख जाएंगे। बुद्धि में भक्ति प्रवेश कर जाए तो भोजन भी भजन लगता है। आत्महत्या सबसे बड़ा पाप होता है। मानव जन्म अनमोल है ।इसमें भक्ति कर जीवन का कल्याण करना चाहिए। कलयुग में सभी कार्य झूठ के साथ किया जा रहे हैं ।व्यापार झूठ बोलकर कर रहे हैं। नौकरी करते हैं तो झूठ बोलते हैं ।विवाह भी झुठ बोलकर करते हैं। सत्य तो विमुख हो रहा है चिंतन का विषय है। तीर्थ पर जाए तो भजन कीर्तन करना चाहिए किसी की निंदा नहीं करना चाहिए। तीर्थ और पुण्य क्षेत्र में भुलवश भी पाप हो जाए तो वह मिटता नहीं है। तीर्थ पुण्य क्षेत्र में पाप कर्म करने से सदैव बचना चाहिए। गौशाला में कथा करवाने से 10 गुना फल मिलता है। जलाशय के किनारे कथा सुनने से 10 गुना फल बढ़ जाता है। सूर्य संक्रांति में हो दान तप का फल दस गुना मिलता है। सूर्य ग्रहण में किया गया दान का फल सबसे ज्यादा मिलता है। जरूरतमंद को दिया गया दान पुण्य फलदाई होता है। ज्ञानी तपोनिष्टव 24 लाख गायत्री जपने वाला ब्राह्मण हो उसी को ही दान देना चाहिए। उसका फल वापस 10 गुना होकर मिलता है। कार्यक्रम में 26 जुलाई तक प्रतिदिन दोपहर 2 से 5 बजे तक तथा रुद्राभिषेक सुबह 9 से 11 बजे तक का आयोजन विद्वान आचार्य पंडितों के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर विद्या भारती मालवा प्रांत परिषद शोध कार्य प्रभारी रविन्द्र सोनी ,मंदसौर विभाग समन्वयक राघवेंद्र देराश्री, सरस्वती शिशु मंदिर संस्थापक निलेश पाटीदार, संरक्षक पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राकेश जैन पप्पू ,।ओम शिव भक्त मंडल नीमच के अध्यक्ष शिव नारायण गर्ग,श्री राम गौड बोले,कोषाध्यक्ष प्रकाश मंडवारिया, सचिव छाया वीरेंद्र जायसवाल, संयोजक प्रहलाद राय गर्ग दडोली वाला, राजेंद्र गर्ग पप्पी सर,ओम प्रकाश चौधरी,अन्नपूर्णा सेवा न्यास नीमच , अग्रवाल विकास समिति के गोपाल गर्ग आदि लोग उपस्थित थे। शिव महापुराण कथा आयोजन पदाधिकारीयों ने सभी धर्म प्रेमी श्रद्धालु भक्तों से आह्वान किया है कि समय पर उपस्थित होकर शिव पुराण की ज्ञान गंगा का धर्म लाभ पुण्य ग्रहण करें।

नाम परिवर्तन संबंधित जाहिर सूचना

मैं गोविन्दसिंह चौहान पिता रामसिंह चौहान निवासी वार्ड नं. 09 ग्राम धानखेड़ी, तहसील सुवासरा, जिला मंदसौर मप्र सर्व साधारण को यह सूचित करता हूं कि मेरे पुत्र पीयुष सिंह (PIYUSH SINGH) पिता गोविन्दसिंह चौहान निवासी वार्ड नं.09 ग्राम धानखेड़ी, तहसील सुवासरा, जिला मंदसौर मप्र है। मेरे पुत्र के पूर्व का नाम पूरसिंह पिता गोविन्दसिंह चौहान (POOR SINGH S/o GOVIND SINGH CHOUHAN) था जो कि मेरे पुत्र के आधार कार्ड में अंकित होकर जो कि गलत है जबकि मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में उसका नाम पीयुषसिंह (PIYUSH SINGH) पिता गोविन्दसिंह है जो कि सही है। वर्तमान एवं भविष्य में मुझ प्रार्थी के पुत्र को पीयुष सिंह (PIYUSH SINGH) पिता गोविन्दसिंह चौहान के नाम से जाना, पहचाना एवं पुकारा जावें। अतः मेरे पुत्र के शासकीय/अर्द्धशासकीय अन्य प्रपत्रों में मेरे पुत्र का नाम पुरसिंह (POOR SINGH) पिता गोविन्दसिंह चौहान के स्थान पर पीयुषसिंह (PIYUSH SINGH) पिता गोविन्दसिंह चौहान लिखा एवं पढ़ा जावें।

प्रार्थी
गोविन्दसिंह चौहान

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in